A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 16 सितम्बर , 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 321, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

कैसी बातें करते हो,
छाया से ही डरते हो।
फूट जाएगा ये गुब्बारा,
हवा बहुत तुम भरते हो।
डर जाता हूँ, हाथ तुम्हारा,
कांधे पर जब धरते हो।
दुनिया की परवाह छोड़ दो,
प्यार अगर तुम करते हो।
जाओ, पर इतना बतला दो,
गुंजन पे क्यों मरते हो।

- गोविन्द गुंजन

पहली बात

मर्यादाओं के संवैधानिक विघटन पर औचित्य के सवाल

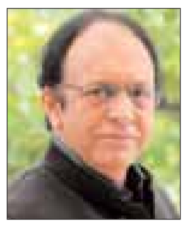

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

संसदीय अथवा विधिक-विधायी भाषा में बात करें तो पिछले एक सप्ताह में घटित दो घटनाएं देश की लोकतांत्रिक अदालत में औचित्य के सवालों के दायरे में कठघरे में खड़ी नीतिगत नैतिकता के तकाजों को स्पष्टतः रेखांकित करने की मांग करती प्रतीत होती हैं। दोनो घटनाओं में देश के सर्वोच्च शिखर पर विराजमान तीन हस्तियों की भूमिका विवादाग्रस्त है। पहली घटना सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ के निजी आवास पर सम्पन्न गणेश-पूजा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति से जुड़ी है। और, दूसरी घटना अमेरिका में राहुल गांधी का वह बयान है, जिसमें उन्होंने भविष्य में भारत के हिंदू राष्ट्र बन जाने की दशा में सिख-समुदाय के धार्मिक संस्कारों की रक्षा का संवैधानिक कवच ध्वस्त होने की आशंका व्यक्त की है।

इन घटनाओं के इर्द-गिर्द उठने वाले सवालों को दरकिनार करना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीफ जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ से जुड़ी पहली घटना के आगे प्रश्नचिन्ह यह है कि प्रधानमंत्री को मुख्य न्यायाधीश के घर में आयोजित निजी गणेश पूजा के कार्यक्रम में शरीक होना अथवा उन्हें मुख्य न्यायाधीश द्वारा निमंत्रित करना या शरीक होने से इंकार नहीं करना नैतिक शुद्धता के तकाजों पर कितना खरा है ? राहुल गांधी के अमरीकी बयान के संदर्भ में सवाल यह हैं कि नेता, प्रतिपक्ष के रूप में उन्हे राष्ट्र हित को प्रभावित करने वाले सवालों से परहेज करना चाहिए?

दोनों घटनाओं के अंतर्प्रवाह देश के सर्वोच्च शिखर पर विराजमान तीनों हस्तियों के सार्वजनिक और निजी जीवन के आचरण में मर्यादाओं के विघटन की मीमांसा की मांग करते हैं। तीन हस्तियों में राजनीति की मैली मिट्टी से सने दो नेता नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी के निजी और सार्वजनिक जीवन की विसंगतियों और विरोधाभासों की लंबी फेहरिस्त के बैक-ड्रॉप में उनकी विश्वसनीयता और नैतिकता का ग्राफ पहले ही काफी धुंधला और धब्बेदार है, लेकिन देश, समाज और संविधान की विगलित व्यवस्थाओं में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ की आकस्मिक एंट्री ने देश की प्रबुद्धता और बुद्धिमत्ता को हैरत में डाल दिया है।

वैसे भी आम जन मानस विश्वसनीयता की कसौटियों पर न्याय पालिका को विधायिका और कार्य पालिका की तुलना में अव्वल मानता है। इस संदर्भ में भारत के मुख्य न्यायाधीश का विवादों के घेरे में आ जाना देश के लिए संवैधानिक त्रासदी से कमतर नहीं है। विडंबना यह है कि अनेकानेक अनुत्तरित राजनीतिक और सामाजिक सवालों के बीच देश की बहुसंख्यक विधिक और न्यायिक बिरादरी उन्हें सवालों से बरी करने को तैयार नहीं है। जबकि, देश की संवैधानिक बेहतरी के लिए उन्हें सवालों से परे रखा जाना चाहिए।

संविधान में विधायिका, कार्य पालिका और न्याय पालिका की मर्यादाओं की लक्ष्मण रेखाएं स्वर्णाक्षरों में लिखी गई हैं। संविधान में वर्णित इन तीनो संकायों में पद-ग्रहण की शपथ में दायित्व का उदघोष सुनाई पड़ता है । सवाल उन्हें सुनने और समझने का है। गणपति पूजा में प्रधानमंत्री और प्रधान न्यायाधीश की जुगलबंदी पर बवाल इसलिए भी मचा है कि सुप्रीम कोर्ट में सात मामले विचाराधीन हैं। इनमें राहुल गांधी के खिलाफ मान-हानि का केस के अलावा मणिपुर हिंसा पर याचिकाओं का केस शरीक है, जिन पर चीफ जस्टिस खुद चिंता व्यक्त कर चुके हैं। महाराष्ट्र में दल-बदल के बाद बनी सरकार के प्रकरण में शिवसेना के शिंदे-गुट की योग्यता का मामला भी दो साल से विचाराधीन है। केन्द्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अपील, पीएनएलए के रिव्यू की मांग, धारा 370 रद्द करने के मामले के साथ ही डीइआरसी के चेयरपर्सन को लेकर दिल्ली के राज्यपाल और मुख्यमंत्री केजरीवाल के बीच विवाद का निराकरण सुप्रीम कोर्ट को करना है।

उपरोक्त सात मुकदमों के परिप्रेक्ष्य में यह भी गौरतलब है कि चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ को लेकर मोदी-सरकार कभी आश्वस्त नहीं रही है। चीफ जस्टिस ने कई मामलों मे राजनीतिक सम्बद्धता या धार्मिक विश्वासों की परवाह किए बिना फैसले दिये हैं। चुनावी बॉण्ड पर प्रतिबंध उसका सम्यक उदाहरण है। चुनाव आयोग की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका के सवाल पर भी वो काफी मुखर रहे हैं। लोकतंत्र की रक्षा के लिए स्वतंत्र प्रेस की आवश्यकता का प्रतिपादन भी वो अपने फैसलों मे कर चुके हैं। न्यायालय में सीलबंद लिफाफों में जानकारी देने के मामले में भी केन्द्र सरकार को वो फटकार लगा चुके हैं। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ का न्यायिक ट्रैक-रिकॉर्ड इस बात की तस्दीक करता है कि उनकी रीढ़ मजबूत है और उन पर विश्वास किया जाना चाहिए।

मुद्दा यह है कि चीफ जस्टिस के निवास पर आयोजित किसी भी पूजा को सार्वजनिक किया जाना चाहिए अथवा नहीं करना चाहिए? सवाल यह उठना चाहिए कि प्रधानमंत्री के एक्स हैंडल पर इस पूजा को सार्वजनिक किये जाने का मंतव्य क्या है? क्या इस मामले में चीफ जस्टिस की सहमति थी? क्या प्रधानमंत्री का यह दायित्व नहीं था कि वो ऐसे आयोजन से बचें, जो संवैधानिक मर्यादाओं पर सवाल खड़ा करने वाला हो? क्या प्रधानमंत्री इस बात को नहीं जानते थे कि महाराष्ट्र चुनाव के पहले ठेठ महाराष्ट्रीयन पहनावे में पूजा करने का चित्र जारी करने की राजनीतिक प्रतिक्रियाएं क्या होंगी ?

प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस दोनों ही इस बात से भली-भाँति परिचित थे कि इस आयोजन को लेकर धारणाओं का बाजार कितना प्रदूषित हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में सर्वज्ञात है कि राजनीतिक लाभ-हानि उनके लिए सर्वोपरि है, लेकिन इस मामले में खेदजनक यह भी है कि चीफ जस्टिस भी चूके हैं। अपनी विधिक और न्यायिक बिरादरी को जवाब देने की जिम्मेदारी उनकी है।

इसी तारतम्य में नेता, प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के बयान में अंतर्निहित उत्तेजक तत्वों को नजरअंदाज करना संभव नहीं है। नेता, प्रतिपक्ष के संवैधानिक दायित्व सर्वविदित हैं। राहुल गांधी कांग्रेस की सियासत को सिद्धांतों की वैचारिक कर्मभूमि पर खड़ा करना चाहते हैं। कांग्रेस का मौजूदा ढांचा भाजपा की वैचारिक राजनीतिक का प्रति-उत्तर देने में असमर्थ है। राहुल की वैचारिकता में सियासी चिंतन की कई धाराओं का समागम है, जो आपस होड़ करती प्रतीत होती हैं। चिंतन, ज्ञान और सफल संप्रेषण का मूल आधार भाषाई दक्षता होती है। विचारों का तार्किक क्रम, वक्ता का कथन के संदर्भ मे सही प्रतिक्रिया, वक्तव्य के बारे में मनोभावों का प्रदर्शन, वक्तव्य की स्पष्टता संप्रेषण को प्रभावशाली बनाती हैं। इसे वक्तत्व क्षमता की संज्ञा देते हैं। लेकिन भाषा के स्तर पर वो खुद के राजनीतिक दर्शन को समग्रता से रखने में अक्सर चूक जाते हैं। राई को पहाड़ बनाने में दक्ष भाजपा भला इस कमजोरी का फायदा उठाने में चूक क्यों करेगी ? इस प्रसंग में ऐसा ही हुआ है। उनके भाषण का टैक्स्ट कहता है कि तार्किक निरन्तरता के क्रम उलटे हो जाने से जो वह कहना चाहते थे वो अस्पष्टता के धुंध में खो गया।

जेएमएम, आरजेडी और कांग्रेस

झारखंड के सबसे बड़े दुश्मन

पीएम मोदी ने जमशेदपुर में फूंका चुनावी बिगुल,दी करोड़ों की सौगात

रांची (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब 140 किलोमीटर की दूरी तय कर सड़क मार्ग से होकर रांची से जमशेदपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सकता था। इस कारण सड़क मार्ग से रांची से जमशेदपुर पहुंचे। रास्ते में बारिश के रूप में आशीर्वाद मिला। रास्ते भर में लोगों ने भींग कर स्वागत किया, लोगों का प्यार और आशीर्वाद जीवन की बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में उत्पाद सिपाही भर्ती को लेकर दौड़ में शामिल कई अभ्यर्थियों की मौत पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- 'मैं वादा करता हूं... झारखंड में कुछ महीनों के बाद जब बीजेपी की सरकार बनेगी, एनडीए की सरकार बनेगी तो

इन सारे मामलों की जांच करवाई जाएगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-'जेएमएम के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं।

कोई भी रुकावट झारखंड से अलग नहीं सकती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा –'बारिश कितनी ही तेज क्यों न हो, रुकावटें कितनी ही ज्यादा क्यों न हो, लेकिन कोई भी रुकावट मुझे आपसे अलग नहीं कर सकती है।पीएम ने कहा–'मैं आपके दर्शन किए बिना वापस नहीं जा सकता हूं, इसलिए सड़क मार्ग से ही आप सबके दर्शन करने पहुंच गया।क्रांति और बलिदानों की ये धरती, भगवान बिरसा मुंडा के तप, त्याग और आशीर्वाद की ये धरती... मैं झारखंड की इस महान धरती को प्रणाम करता हूं।' उन्होंने कहा –' आज करमा पूजा के उमंग के बीच यहां आने से पहले मुझे झारखंड को विकास की कई बड़ी सौगात देने का सौभाग्य भी मिला।मैं आप सबको करमा पर्व की बधाई देता हूं।आज झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर भी मिले हैं।इनमें से ज्यादातर घर मेरी माताओं–बहनों के नाम पर हैं।' आज आपका ये भाई करमा पर्व के अवसर पर अपनी बहनों को अपने पक्के घर का उपहार देकर धन्य हो गया है।प्रधानमंत्री वंदे भारत एक्सप्रेस और अन्य योजनाओं की सौगात देने के बाद रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से जमशेदपुर के लिए रवाना हुए।इससे पहले खराब मौसम की वजह से पीएम ने जमशेदपुर नहीं जाने की वजह से वीडियो कांफ्रेंसिंग से बात की।

मोदी बोले-देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी है कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा–'जेएमएम और कांग्रेस जैसे दलों को आपका वोट नहीं चाहिए।ये दल मजहब के नाम पर अपना वोट बैंक बनाना चाहते हैं।यही समय है, हमें इस खतरे को यहीं पर रोकना होगा।इस देश की सबसे बेईमान और महाभ्रष्ट पार्टी एक ही है– कांग्रेस पार्टी।इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार एक ही है– कांग्रेस का परिवार।' पीएम मोदी ने कहा– 'भ्रष्टाचार की सारी धाराएं वहीं से निकलती हैं। ये जेएमएम वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं– कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन।जेएमएम ने 5 साल में केवल एक ही काम किया है– झारखंड की लूट और चारों तरफ भ्रष्टाचार।जेएमएम सरकार ने जल, जंगल और जमीन... सबमें भ्रष्टाचार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा– 'आकांक्षी जिला योजना के जरिए झारखंड के पिछड़े जिलों के विकास की चिंता पहली बार किसने की, भाजपा की सरकार ने।भगवान बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत किसने की,भाजपा की सरकार ने।आज भी भाजपा केंद्र में रहकर झारखंड के विकास के लिए पूरे समर्पण से काम कर रही है।

दो दिन बाद दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा देंगे केजरीवाल

- जेल से बाहर आने के बाद एएपी संयोजक ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिहाड़ जेल से जमानत पर बाहर आने पर आज पहली बार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऐलान किया कि वो दो दिन सीएम की कुर्सी छोड़ देंगे। सीएम केजरीवाल के इस ऐलान पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह अरविंद केजरीवाल का पीआर स्टंट है। उन्हें समझ आ गया है कि दिल्ली की जनता के बीच उनकी छवि एक ईमानदार नेता की नहीं बल्कि एक भ्रष्ट नेता की है, आज आम आदमी पार्टी पूरे देश में एक भ्रष्ट पार्टी के रूप में जानी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि अपने पीआर स्टंट के तहत वह अपनी छवि को फिर से स्थापित करना चाहते हैं। साफ है कि वह सोनिया गांधी मॉडल लागू करना चाहते हैं, जहां उन्होंने मनमोहन सिंह को एक डमी प्रधानमंत्री बनाया और पर्दे के पीछे से सरकार चलाई। उन्हें आज समझ आ गया है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव हार रही है और दिल्ली की जनता उनके नाम पर वोट नहीं दे सकती।

बूंदी में सड़क हादसे में देवास के 6 लोगों की मौत

सीएम ने की 2-2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा

भोपाल/देवास/बूंदी (नप्र)। राजस्थान के बूंदी में ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। कार सवार 6 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन लोग घायल हो गए। इसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे कोटा रेफर किया गया है। कार में बुरी तरह फंसे शवों को क्रेन की मदद से निकाला गया। कार सवार मध्य प्रदेश के देवास से खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा रविवार सुबह करीब 4 बजे हिंडोली इलाके के जयपुर नेशनल हाईवे (एनएच 52) पर हुआ।

एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि मध्य प्रदेश के देवास से नौ लोग 14 सितंबर की रात खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए निकले थे। कोटा होते हुए इनकी गाड़ी हिंडोली पहुंची थी। हिंडोली थाना क्षेत्र के हाईवे की पुलिया के पास (लघधरिया भैरू जी के स्थान) गलत साइड से आकर एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी।

कार के उड़े परखच्चे- एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि कार के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। कार सवार बुरी तरह फंस गए। कार में सवार मदन (40) पुत्र शकरू नायक निवासी बेडाखाल, जिला देवास, मांगी लाल (38) पुत्र ऊंकार निवासी बेडाखाल, देवास, महेश (28) पुत्र बादशाह निवासी बेडाखाल थाना सतवास, देवास, भूरा (35) पुत्र धन्ना, राजेश (33) पुत्र पन्ना और पूनम (35) पुत्र जगराम की मौत हो गई। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मनोज पुत्र रवि नायक निवासी पोखर खुर्द, देवास, प्रदीप पुत्र मांगी लाल निवासी धांसड जिला देवास तथा अनिकेत पुत्र राजेश निवासी बेडाखाल, देवास घायल हैं। इनमें से प्रदीप की हालत गंभीर है। उसे कोटा रेफर किया गया है। बाकी दोनों घायलों का इलाज बूंदी में चल रहा है।

महाराजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता के समान राज्य सरकार भी सभी वर्गों के कल्याण के लिए कृत-संकल्पित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समतामूर्ति अलंकरण सम्मान प्रदान किया गया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका अनंत है। यह नगरी हर काल और हर युग में अपने गुणों,कीर्ति और प्रसिद्धि से सदैव अलंकृत होती आ रही है। भारत विश्व का सबसे बड़ा और गौरवशाली लोकतंत्र है, जिसके तीन आधार स्तंभों में न्यायपालिका प्रमुख है, जो महाराजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता के समान हमारी ताकत को कई गुना बढ़ाती है। महाराजा विक्रमादित्य की न्याय और समानता से प्रेरित मध्यप्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज उज्जैन के रामानुज कोट आश्रम में आयोजित समतामूर्ति अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री जी.के. महेश्वरी को रामानुज कोट के धर्माचार्य संत स्वामी श्री गादी जी महाराज द्वारा समतामूर्ति अलंकरण से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज सहित अन्य संत आचार्य उपस्थित रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन धर्म ने नर में ही नारायण को पूजना सिखाया है और नर सेवा को ही नारायण सेवा माना है। हमारी संस्कृति दीन-दुखियों की सेवा को भगवान की सेवा बताती है। मानव कल्याण हमारी नैतिक शिक्षा, संस्कार का हिस्सा है। प्रकृति और प्रवृत्ति दोनों में परमात्मा ही बसते हैं।

सिंहस्थ की छटा होती है निराली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 12 वर्षों में आयोजित होने वाले सिंहस्थ की छटा निराली होती है। समारोह में उपस्थित देवतुल्य धर्माचार्य के दर्शन लाभ से परमात्मा के दर्शन की अनुभूति हो रही हैं। स्वामी श्री रामानुज जी महाराज ने अपने अलौकिक दर्शन से सनातन धर्म के संरक्षण के साथ मानव से मानव को जोड़कर जनसेवा का मार्ग भी दिखाया है। समाज में आने वाली विभिन्न चुनौतियों के बावजूद भी स्वामी जी द्वारा भक्ति मार्ग का निरंतर प्रसार किया गया, जिसकी अविरल धारा आज भी प्रवाहित हो रही है।

न्यायाधीश श्री माहेश्वरी ने कहा कि समानता हमारे सनातन संस्कृति में वेद पुराणों के साथ हमारे संविधान में भी उल्लेखित है। भारत के संविधान में समानता का अधिकार मानव को प्राप्त पहला अधिकार हैं। ईश्वर का समभाव भी सभी के लिए समान है। अगर कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण पद पर आसीन होता है तो वह बिना देवीय कृपा के संभव नहीं हैं। ईश्वर ने ही उसे जनहित के लिए चुना है। इसीलिए उसे सदैव मानव सेवा के कार्य में संलग्न रहना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीठाधीश्वर स्वामी श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज सहित अन्य धर्माचार्यों को पुष्पमाला और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जनहित के लिये एक एम्बुलेंस को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 16 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

अनिल विज ने हरियाणा सीएम की कुर्सी पर ठोका दावा

- बोले-मैं सीनियर हूं, बीजेपी ने नायब सैनी को चेहरा बनाया

इन्हीं की वजह से मंत्रिपद छोड़ा था

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री और अंबाला कैंट से भाजपा उम्मीदवार अनिल विज ने मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक दिया है। रविवार को अनिल विज ने अंबाला कैंट में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर विधायक और मंत्री रहते हुए खुद के द्वारा करवाए गए काम गिनवाए। इसके बाद विज ने कहा, सारे हरियाणा से लोग आ रहे हैं। मैं जहां-जहां गया, लोग कह रहे हैं कि आप सीनियर हो, सीएम क्यों नहीं बने। मैं उन लोगों

की मांग पर अपनी सीनियोरिटी के दम पर मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा। पार्टी बनाती है या नहीं, यह उनका फैसला है। विज ने आगे कहा- मैंने आज तक कोई पद नहीं मांगा, लेकिन आज दावा पेश कर रहा हूं। अगर पार्टी ने मुझे सीएम बना दिया तो मैं हरियाणा की तकदीर बदल दूंगा, तस्वीर बदल दूंगा। गौरतलब है कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया था। सैनी की ताजपोशी से अनिल विज नाराज हो गए थे। उनकी नाराजगी कई मीटिंग्स में खुलकर नजर भी आई।

आरएएस-आरपीएस में पैसे लेकर दी गई नौकरियां

किरोड़ी लाल मीणा बोले-

- आरपीएससी के 3 पूर्व चेयरमैन के खिलाफ मैं सबूत दूंगा

जयपुर (एजेंसी)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता किरोड़ी लाल मीणा अपना इस्तीफा देने के कारण राजस्थान में चर्चा में है। इधर, पेपर लीक मामले में मोर्चा खोल चुके किरोड़ी लाल मीणा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने तीन पूर्व आरपीएससी अध्यक्षों पर भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास इसके सबूत है, जो वह एसओजी

को जल्द सौपेंगे। उनका आरोप है कि इन लोगों ने आरएएस, आरपीएस और दूसरी कई नौकरियां में पैसे लेकर नौकरियां दी है। इसको लेकर किरोड़ी लाल मीणा ने एक डिजिटल मीडिया नेटवर्क को इंटरव्यू देकर इसका खुलासा किया। इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने वसुंधरा राजे के पीतल के लौंग के बयान को भी सही बताया और उनका समर्थन किया। ऐसे पांच आरपीएससी के मेंबर है। इनमें से तीन पूर्व अध्यक्षों के नाम तो मेरे पास है।

एलएसी पर नहीं है अब दुश्मन की खैर

जोरावर की दहाड़ से थर्राएगा चीन, ऑटोमोटिव परीक्षण पूरा

जोधपुर (एजेंसी)। भारत ने चीनी सेनाओं के खिलाफ ऊंचाई वाले इलाकों में प्रभावी मुकाबला करने के लिए राजस्थान के जोधपुर में हल्के टैंक जोरावर का सफलतापूर्वक शुरुआती ऑटोमोटिव परीक्षण पूरा किया है। यह टैंक विशेष रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती के लिए तैयार किया जा रहा है, जहां चीन ने हल्के टैंकों की तैनाती की है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस टैंक ने असाधारण प्रदर्शन किया और रेगिस्तानी इलाकों में निर्धारित किए गए टास्क को कुशलतापूर्वक

पूरा किया। डीआरडीओ और एलएंडटी डिफेंस ने मिलकर 25 टन वजन के हल्के टैंक को विकसित किया है, जिन्हें मुख्य रूप से त्वरित तैनाती के लिए तैयार किया गया है। पहले इस तरह के टैंकों को विकसित करने के लिए जर्मनी से बातचीत चल रही थी, लेकिन जर्मन कंपनी इंजन की आपूर्ति में समय पर प्रतिबद्ध नहीं हो सकी। इस देरी के कारण अमेरिकी कंपनियों से जुड़ने का निर्णय लिया गया और अमेरिकी कंपनी कमिंस के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। भारतीय सेना के अनुसार, लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए 350 से अधिक हल्के टैंकों की आवश्यकता है। इनमें से एलएंडटी-डीआरडीओ 59 टैंकों का निर्माण करेगी, जबकि बाकी टैंकों का उत्पादन अन्य भारतीय कंपनियों द्वारा बोली प्रक्रिया के बाद किया जाएगा। भारतीय लाइट टैंक की विकास योजना को प्रोजेक्ट जोरावर नाम दिया गया है। जिसके जरिए हालिया टैंक का निर्माण और परीक्षण किया गया। इसमें एआई इंटीग्रेटेड, ड्रोन युद्ध क्षमताएं और सक्रिय सुरक्षा प्रणाली जैसी आधुनिक विशेषताएं शामिल की गई हैं। ये हल्के टैंक उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों और द्वीप क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे और तेजी से तैनाती के लिए हवाई-परिवहन योग्य होंगे।

खदान में तीन मजदूरों पर गिरा मार्बल का टुकड़ा, मशीन ऑपरेटर की मौत, 2 घायल

कटनी (नप्र)। स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत कृष्णा मार्बल माइंस में शनिवार की देर शाम मार्बल का बड़ा टुकड़ा गिरने से उसकी चपेट में आए तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। संचालकों ने पुलिस को जानकारी नही दी और सीधे जबलपुर ले गए। जहां एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं दो का इलाज जारी है।

3 मजदूरों पर गिरा मार्बल- जानकारी के मुताबिक सीधी जिला निवासी बुद्धिमान कोल स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र की कृष्णा मार्बल माइंस में मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्य करता था। शनिवार देर शाम खनन कार्य के दौरान मार्बल का एक बड़ा टुकड़ा अचानक गिर गया। उसकी चपेट में आकर बुद्धिमान कोल सहित दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

मजदूरों के घायल होने पर माइंस प्रबंधन घटना की जानकारी पुलिस को दिए बिना घायल मजदूरों को लेकर जबलपुर रवाना हुआ लेकिन बीच रास्ते में ही मशीन ऑपरेटर बुद्धिमान कोल ने दम तोड़ दिया। वहीं घायल मजदूरों को जबलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना के बाद मजदूरों में आक्रोश है।

मौके पर कोई नहीं मिला- मामले को लेकर स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया का कहना है कि मामले की जानकारी थाना में नही दी गई है। मामले में तीन मजदूरों के घायल होने और उसमें से एक कि मौत होने की जानकारी लगी है। स्थल का निरीक्षण किया गया है लेकिन वहां कोई नहीं मिला।

नीलबढ़ में धूमधाम से मनाया जा रहा गणेशोत्सव

सिद्धिविनायक-तिरुपति कालोनी में सांस्कृतिक आयोजन के साथ, हवन, भंडारे हुए

भोपाल (नप्र)। भोपाल में गणेशोत्सव की धूम है। नीलबढ़ स्थित सिद्धिविनायक -तिरुपति कालोनी में हिन्दू उत्सव समिति द्वारा गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक आयोजन हुए। इसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने प्रतिभाओं से रहवासियों को मन मोह लिया। रविवार को हवन और आरती के साथ भंडारा हुआ। सभी सिद्धिविनायक रहवासियों ने गणेशजी की

आराधना के साथ अगले बरस तू जल्दी आ, गुलाल, फूल उड़ाकर बप्पा की जयकारे लगाऐ। महिलाएँ ने भजनों की प्रस्तुति कर विघ्नहर्ता गौरीनंदन की आराधना की। रहवासियों ने समिति सदस्यों को सफलतापूर्वक गणेशोत्सव का आयोजन करने पर उनका आभार और धन्यवाद दिया। 16 सितंबर सोमवार सुबह पंचक लगने के चलते राजधानी में कई जगहों पर हवन, भंडारे आयोजित किए जा रहे थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में शनिवार को तंबोला और अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। राजधानी में डोल ग्यारस के साथ गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया था।

भोपाल और हरदा में जारी है मिशन कवच

भोपाल (नप्र)। तिनका सामाजिक संस्था द्वारा खेल के माध्यम से निरंतर लैगिंक समानता लाने पर कार्य किया जा रहा है। बढती छेड़छाड़, बलात्कार, मर्डर,अपरहण की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए तिनका एक और कराटे खेल के माध्यम से बालक बालिकाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बना रहा है तो दूसरी और सेशन के माध्यम से मानसिक रूप से मजबूत भी बना रहा है तिनका सामाजिक संस्था के सचिव। मना मंडलेकर ने बताया की तिनका के 20 कवच और सक्षम फेलो हरदा और भोपाल के अलग अलग विद्यालय में जाकर बच्चों को सुरक्षित ओर असुरक्षित स्पर्श के बारे में बताएं इसी क्रम में तिनका सामाजिक संस्था के प्रशिक्षक राष्ट्रीय

स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी रोहित खराटकर और प्रशिक्षिका सलिना कुमरे द्वारा एकेडमिक हाइट पब्लिक स्कूल टिमरनी में 687 बच्चों को सुरक्षित ओर असुरक्षित स्पर्श पर फिल्म दिखाकर जागरूक किया गया वहीं विकास वर्मा द्वारा झाड़बीड़ा स्कूल के साथ यह क्रम अभी जारी है।

तिनका सामाजिक संस्था के अध्यक्ष रितेश तिवारी ने बताया कि हम तिनका परिवार का संकल्प है की हम मोमबत्ती नही जलाएंगे हम अपनी बेटियों को इतना सशक्त बनाएंगे की बह हर विपरीत परिस्थितियों से लड़ने में वह स्वयं सक्षम हो इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती लवलीना, खेल प्रशिक्षक मोना खरे और समस्त शिक्षकों द्वारा तिनका सामाजिक संस्था के कार्य की प्रशंसा की है और आश्वासन दिया कि हम सप्ताह में एक दिन बच्चों को सुरक्षित व असुरक्षित स्पर्श पर जागरूक करेगे तिनका सामाजिक संस्था यह कार्य निःशुल्क कर रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महायुति में फूट!

- जेपी नड्डा की सलाह भाजपा निभाए बड़े भाई की भूमिका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले महायुति के भीतर कलह की खबरें सामने आ रही हैं। इन्हीं अंदरूनी कलह और खामियों को दूर करने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र भाजपा इकाई को सलाह दी है। साथ ही गठबंधन सहयोगियों की चिताओं का समाधान करने के लिए भी कहा है। ताकि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को एकजुट और मजबूत रखा जा सके। पार्टी के वरिष्ठ नेता के मुताबिक, जेपी नड्डा ने महाराष्ट्र

भाजपा से यहां तक कहा कि उसे बड़े भाई की भूमिका निभानी चाहिए। नड्डा शनिवार को मुंबई पहुंचे थे। यहां उन्होंने लालबागचा राजा गणेश के दर्शन किए। उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के वर्षा स्थित आवास और बाद में मालाबार हिल्स में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सागर स्थित आवास पर जाकर चल रहे 10वें गणपति उत्सव में पूजा-अर्चना की।

3 मंजिला मकान गिरा, परिवार के 10 लोगों की हो गई मौत

मेरठ में 16 घंटे से रेस्क्यू जारी, स्निफर डॉग से तलाश

मृतकों में 6 बच्चे भी, एक पिलर पर टिकी थी बिल्डिंग

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ में शनिवार शाम हुए हादसे में अब तक 10 की मौत हो गई। मरने वालों में 6 बच्चे भी शामिल हैं। 5 लोगों को रेस्क्यू कर हॉस्पिटल भेजा गया है। 16 घंटे से लगातार रेस्क्यू जारी है। अभी मलबे में किसी के दबे होने की जानकारी नहीं है, लेकिन एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ऑपरेशन में लगी है। टीम स्निफर डॉग्स की मदद से मलबे को हटाकर देख रही है कि कोई और तो नहीं दबा है। हादसा शनिवार शाम 5.15 बजे लोहिया नगर थाना क्षेत्र के जाकिर कॉलोनी में हुआ था। 3 मंजिला घर ढह गया था। इसमें एक ही परिवार के 15 लोग दब गए थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि तीन मंजिला बिल्डिंग 50 साल पुरानी थी। सिंगल पिलर पर खड़ी थी। पिलर कमजोर होने की वजह से हादसा हुआ। आईजी डीके ठाकुर ने बताया- घर में 63 साल की नफीसा अपने 4 बेटों के परिवार के साथ रहती थीं। ग्राउंड फ्लोर पर डेयरी चलती थी, इसलिए कई भैंसें भी मलबे में दब गईं। बताया जा रहा है कि तीन मंजिला पूरी इमारत सिर्फ एक पिलर के सहारे थी। मकान 300 गज के प्लॉट में बनी थी। मेरठ के जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा,घटना शनिवार शाम करीब 4.30 बजे की है।

ईरान ने अंतरिक्ष में लॉन्च की मिसाइल, भड़का अमरीका

- 60 किग्रा की सैटेलाइट स्पेस में पहुंचाई, खुशी की लहर

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने देश के अर्धसैनिक बल 'रिवॉल्यूशनरी गार्ड' की ओर से बनाए गए रॉकेट से शनिवार को एक सैटेलाइट लॉन्च किया। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। पश्चिमी देशों को आशंका है कि इससे ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है। ईरान ने बताया कि रॉकेट के जरिए उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने वाला यह उसका दूसरा लॉन्च है।

वैज्ञानिकों ने बाद में प्रक्षेपण की पुष्टि की तथा बताया कि उपग्रह कक्षा में पहुंच गया है। ईरानी मीडिया की ओर से बाद में साझा किए गए वीडियो में नजर आ रहा है कि एक मोबाइल लांचर की मदद से रॉकेट लॉन्च किया गया। एसोसिएटेड प्रेस ने बाद में जारी वीडियो और अन्य तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद बताया कि ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 350 किलोमीटर (215 मील) पूर्व में शाहरूद शहर के बाहरी इलाके से यह प्रक्षेपण किया।

हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसकी चर्चा होना जरूरी

- आरएसएस प्रमुख बोले-समाज में समरसता होनी चाहिए, हर वर्ग को साथ लेकर चलना चाहिए

अलवर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने स्वयं सेवकों को परिवार और समाज से जुड़े 5 सूत्र बताए। उन्होंने कहा- हम कहां पिछड़ रहे हैं, इसके बारे में चर्चा करने की जरूरत है। गरीब के साथ जुड़ाव रखें, उनको घर पर लेकर आएं और उनके घर पर भी जाएं। संघ प्रमुख मोहन भागवत पांच दिन से अलवर प्रवास पर हैं। रविवार को वे सुबह 6.30 बजे इंदिरा गांधी स्टेडियम पहुंचे, यहां स्वयं सेवकों को संबोधित किया। स्वयं सेवक डॉ. राजकुमार गुर्जर ने भागवत के संबोधन को साझा किया। भागवत ने कहा- हम सभी को परिवार के सदस्यों के बीच बैठकर बातचीत करनी चाहिए।

कोलकाता केस में संदीप घोष, एसएचओ गिरफ्तार

सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर केस मामले में शनिवार को सीबीआई ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और एक थाने के एसएचओ अभिजीत मंडल को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। अभिजीत मंडल ताला पुलिस स्टेशन में स्टेशन हाउस ऑफीसर (एसएचओ) के पद पर तैनात हैं। शनिवार देर रात उसे मेडिकल टेस्ट के लिए बीआर सिंह अस्पताल लाया गया। इसके बाद सीबीआई उसे कोलकाता के स्पेशल क्राइम ब्रांच ले गई। संदीप घोष और अभिजीत मंडल की गिरफ्तारी के बाद स्वास्थ्य भवन के बाहर प्रर्दशन कर रहे डॉक्टरों ने खुशी मनाई। डॉक्टरों ने तालियां बजाकर और नारे लगाकर सीबीआई के इस कदम की सराहना की।

मस्क का स्पेस मिशन कामयाब चार एस्ट्रोनॉट धरती पर लौटे

- ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की पानी में लैंडिंग; वापसी में 27000 किमी प्रति घंटे की स्पीड

1900 डिग्री था तापमान

फ्लोरिडा (एजेंसी)। स्पेसएक्स का पोलारिस डॉन क्रू 15 सितंबर को पृथ्वी पर वापस लौट गया। ड्रैगन स्पेसक्रॉफ्ट ने दोपहर 1.06 बजे फ्लोरिडा के ड्राई टॉर्टुगास कोस्ट पर लैंडिंग की। पृथ्वी के

वायुमंडल में प्रवेश करते समय स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 27,000 किमी प्रति घंटे थी। हवा से टकराने के कारण घर्षण पैदा हुई और तापमान 1,900 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इलॉन मस्क की कंपनी के फाल्कन-9 रॉकेट से पोलारिस डॉन मिशन को 10 सितंबर को लॉन्च किया गया।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री निकालेंगे 10 दिवसीय पदयात्रा

इंदौर में बोले– सनातियों को एकजुट करना उद्देश्य, चार यात्राओं में पहली यात्रा 21 नवंबर से

इंदौर (एजेंसी)। रविवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इंदौर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा में उन्होंने कहा कि वे सनातियों को एकजुट करने के लिए पदयात्रा निकालेंगे। यह दस दिवसीय यात्रा 21 से 30 नवंबर तक आयोजित होगी। वक्फ बोर्ड को लेकर कहा कि मनमानी करने वालों की अब नहीं चलेगी। शास्त्री इंदौर से महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन रवाना हुए। उनके साथ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा बागेश्वर धाम से ओरछा स्थित राम राजा सरकार के मंदिर तक जाएगी। पंडित धीरेंद्र शास्त्री 21 नवंबर को बागेश्वर धाम तीर्थ से अपनी यात्रा शुरू करेंगे और प्रतिदिन 20 किलोमीटर चलेंगे। वह 30 नवंबर को 160 किमी की यात्रा कर ओरछा पहुंचकर अपनी यात्रा का समापन करेंगे।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने पदयात्रा में शामिल होने वाले अनुयायियों से यह अपील की है कि वे पहले रजिस्ट्रेशन करवा लें, जिससे भोजन प्रसादी और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अभी से इंतजाम किया जा सके। यात्रा में दस हजार से अधिक अनुयायी और श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने ये भी कहा कि जो अनुयायी 8 दिनों तक यात्रा में साथ चलेंगे, वे अपने साथ कंबल, बिस्तर और थाली लेकर जरूर आएं। जो अनुयायी रजिस्ट्रेशन कराएंगे, इसी रजिस्ट्रेशन के आधार पर उनकी व्यवस्था की जाएगी।

यात्रा में सबसे आगे बागेश्वर धाम से केसरिया ध्वज निकलेगा, जो समापन अवसर पर ओरछा स्थित रामराजा सरकार मंदिर में विधि-विधान के साथ चढ़ाया जाएगा।

हिंदुओं को बंटने से रोकना है मुख्य उद्देश्य– पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि वर्तमान में हिंदू समाज बंट रहा है। और बंटने के कारण मिट रहा है। उन्हें एकजुट करने के लिए यह यात्रा निकाल रहे हैं। बागेश्वर धाम से ओरछा सहित कुल चार पदयात्राएं निकालेंगे। इनमें दिल्ली से वृंदावन, लखनऊ से अयोध्या, वेल्लोर से तिरुपति बालाजी भी शामिल है। हालांकि इनकी तारीख अभी तय नहीं है।

एमबाय के गुम डॉक्टर का तीसरे दिन भी सुराग नहीं

फॉर्म हॉउस पर भी नहीं मिले, महिला डॉक्टर को हटाने की मांग ; पांच सदस्यीय कमेटी कर रही जांच

इंदौर (एजेंसी)। एमवाय अस्पताल के डॉ. हेमंत गिरवाल (आरएसओ) का तीसरे दिन भी सुराग नहीं लगा है। इसे लेकर रेसीडेंट डॉक्टर आरोप लगाने वाली महिला डॉक्टर को हटाने की मांग पर अड़े हैं। शनिवार को तो उन्होंने अस्पताल में जमकर हंगामा किया था। इस दौरान उनकी सीनियर डॉक्टरों से हाथापाई तक की स्थिति बन गई थी। इसे लेकर मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन भी रेसीडेंट डॉक्टरों का विरोध कर रहे हैं। डीन ने जांच के लिए डॉ. सुमित्रा यादव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम बनाई है।

उधर, टीआई सतीश पटेल के मुताबिक सूचना थी कि डॉ. गिरवारे किसी फैकल्टी के फॉर्म हॉउस पर हैं। टीम वहां गई लेकिन नहीं मिले। दूसरी ओर रेसीडेंट डॉक्टर्स की नाराजगी के बाद जेडीए ने डीन को पत्र लिखकर अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अभद्रता करने वाले जेडीए के सदस्य नहीं हैं। फैकल्टी के साथ किया गया बर्ताव और व्यक्तिगत है

गांधी हाल से मोबाइल छीनकर भागे बदमाश

पास आकर पहले विवाद किया, फिर मोबाइल छीना और धमकी देकर भाग गए

इंदौर (एजेंसी)। गांधी हाल में शनिवार रात सेल्फी ले रहे युवकों से दो बदमाश मोबाइल छीन कर भाग गए। इस मामले में पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है।

एमजी रोड पुलिस के मुताबिक अयान खान ने बताया कि वह अपने दो दोस्त अब्दुला और अरशान के साथ गांधी हॉल घूमने गया था। यहां रात करीब 11:30 बजे सेल्फी ले रहे थे। इसी दौरान वहां पर दो युवक पहुंचे। उन्हाँने पहले आपस में झगड़ा किया। इसके बाद वे अयान और अब्दुला से विवाद करने लगे। आरोपियों ने दोनों के मोबाइल छीन लिए और धमकाते हुए वहां से भाग गए। बाद में पीड़ित युवक थाने पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने चोरी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

मामा ससुर के बेटे ने किया रेप

राजस्थान में बेचकर आ गया, वापस आने के बाद केस दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की भंवरकुआ पुलिस ने पीथमपुर में रहने वाली एक शादीशुदा महिला की शिकायत पर रेप का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके मामा ससुर के बेटे ने रेप कर राजस्थान में बेच दिया। मेरी वहां किसी से शादी करा दी।

भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना 14 जुलाई की है। इलाके की एक ऑटो डील शॉप पर कार दिखाने के बहाने राजा सोलंकी अपने साथ महिला को लेकर आया। यहां से अपने साथ बहला फुसलाकर जयपुर ले गया। होटल में रुककर महिला के साथ रेप किया बाद में उसने राजस्थान के एक व्यक्ति को उसे बेच दिया। बाद पीड़िता परिवार के साथ थाने पहुंची। पुलिस ने मामले में गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

स्टूडेंट को शादी का झांसा देकर रेप किया

इंदौर से दिल्ली ले गया, वहां पढ़ाई छुड़ाकर काम कराया

इंदौर (एजेंसी)। तिलक नगर पुलिस ने 22 साल की युवती की शिकायत पर रेप करने, धोखा देने और रुपए ऐंठने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से उसकी पहचान यहां किराये से रहने के दौरान हुई थी। तब युवती यहां फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। बाद में आरोपी उसे दिल्ली ले गया। पत्नी बनाकर रखा, लेकिन शादी नहीं की। बाद में पीड़िता इंदौर आ गई और परेशान होकर रेप का केस दर्ज कराया है।

तिलक नगर पुलिस के मुताबिक युवती पेशे से ब्यूटीशियन है। उसने बताया कि वह सतवास की रहने वाली है। 2020 में वह पढ़ाई के लिए इंदौर आ गई। 2021 में उसने बंगाली चौराहे पर किराये का कमरा लिया। उसी दौरान गोपाल विश्वास से मुलाकात हुई। वह मकान मालिक के बेटे का दोस्त है।

बातचीत में एक दूसरे को पंसद करने लगे। इसके बाद गोपाल पीड़िता के साथ किराए का घर लेकर लिव इन में रहने लगा। शादी का झांसा देकर कई बार रेप किया। यहां से वह पीड़िता को दिल्ली के वेस्ट विहार में ले गया। वहां पीड़िता की पढ़ाई छुड़ाकर ब्यूटीशयन का काम कराने लगा। गोपाल ने उसके नाम से लोन भी ले लिया।

लेकिन यहां गोपाल को एक युवती से बात करते देख पीड़िता इंदौर आ गई। लेकिन गोपाल यहां उसके पीछे आया और मूसाखेड़ी में किराए का घर लेकर रहने लगा। लेकिन गोपाल यहां भी दूसरी महिला से बात करने लगा। इससे परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की कि गोपाल काफी समय से शादी का झांसा देकर उसे धोखा दे रहा है।

ठगी का मामला

सीबीआई अफसर बनकर रिटा. शिक्षक से ठगे 33 लाख रुपए

इंदौर (एजेंसी)। पार्सल में ड्रग्स मिलने का डर दिखाकर रिटायर्ड शिक्षक से 33 लाख रुपए ठग लिए गए। शिक्षक ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की तो 12 घंटे में उनके 12 लाख 50 हजार रुपए फ्रीज करवा दिए जो उन्हें बाद में मिल जाएंगे।

एडि. डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि नाम न छापने की शर्त पर रि.शिक्षक ने बताया कि 10 सितंबर को उन्हें कॉल आया।

सामने वाले ने कहा कि इंटरनेशनल कस्टम विभाग से बोल रहे हैं। आपके नाम का एक पार्सल मलेशिया भेजा जा रहा था। चेकिंग के दौरान उसमें 140 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स मिली है। जब शिक्षक ने कहा कि पार्सल मेरा नहीं है तो सामने वाले ने पार्सल में मेरे नाम, आधार कार्ड नंबर होने की जानकार दी। वहीं 58 एटीएम कार्ड और 16 फर्जी पासपोर्ट होना भी बताया। ठगों ने पीड़िता को दिल्ली सीबीआई अधिकारी बनकर किसी बैंक खाते की डिटेल भेजी। कहा, आपका खाता चेक करने के लिए हमें राशि ट्रांसफर कर दो। वह राशि 4 दिन में आपके खाते में फिर आ जाएगी। मैंने घबराकर 33 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसमें से क्राइम ब्रांच ने 12 लाख 50 हजार की राशि को अन्य खातों में जाने से बचा ली।

साहस को सलाम

सीवरेज में फंसे 3 मजदूर ; उखड़ने लगी सांसें, सीपीआर देकर बचाया

इंदौर (एजेंसी)। चंद मिनटों की सीपीआर ट्रेनिंग ने तीन मजदूरों को मौत के मुंह से निकाल दिया। पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने ट्रेनिंग के अनुभव और तत्परता से सीवरेज प्लांट में जहरीली गैस में घिरे मजदूरों को बचा लिया। राऊ थाना क्षेत्र में ओमेक्स हिल्स कॉलोनी के सीवरेज प्लांट में केमिकल गिरने से वहां 20 फीट नीचे काम कर रहे दो कर्मचारी बेहोश हो गए।

यह देख तीसरे ने मदद के लिए आवाज लगाई। तभी बाहर खड़े अन्य मजदूर ने रहवासियों को लिए बुलाया। चंद मिनट में पुलिस भी पहुंच गई। दो की हृदय गति रुक चुकी थी। तभी एक हेडकांस्टेबल ने उन्हें सीपीआर दिया। इससे सांसें चलने लगी। फिर तीनों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। अभी दो की हालत चिंताजनक है।

एसीपी रुबीना मिजवानी के अनुसार घटना शनिवार दोपहर करीब 4 बजे की है। ओमेक्स हिल्स कॉलोनी में सुबह से तीन मजदूर मनोज पिता हरिओम त्रिवेदी, विकास पिता राजकुमार कश्यप और संजीव तीनों निवासी शाहजहानपुर (उप्र) काम कर रहे थे। गैस रिसने से तीन मजदूर बेहोश हो गए। रहवासियों की सूचना पर राऊ थाने के हेडकांस्टेबल नीलेश सुरालकर पांच मिनट में मौके पर पहुंच गए। उन्होंने लोगों की मदद से एग्जास्ट फैन से पहले गैस बाहर निकाली। यहां हेड कांस्टेबल की सीपीआर की ट्रेनिंग काम आई।

जल्द सूचना मिलने से समय पर सहायता हो पाई– बताया गया अंदर काम कर रहे मजदूरों से केमिकल का डिब्बा गिर गया था। इससे उसकी गैस रिसने लगी। वे समझ ही नहीं पाए और अंदर जहरीली गैस से वे बेसुध हो गए। किस्मत अच्छी रही कि जल्द ही सूचना मिल गई। जांच करने वाली टीम ने देखा कि अंदर पेंट को डाइल्यूट करने के लिए थिनर का यूज किया गया था। पेंट की बाल्टी थी। थिनर और केमिकल जैसा पदार्थ नीचे ढुला था। संभवत- उसी से गैस बन गई। उधर घटना की सूचना मिलते ही गांधीनगर एसीपी रुबीना मिजवानी, राऊ के थाना प्रभारी राजपाल राठौड़ टीम के साथ पहुंच गए थे।

तीनों बेहोश थे, दो की धड़कनें बंद हो चुकी थी– रहवासी नितिन राठौर, महेंद्र रैकवार, इलेक्ट्रीशियन मेहता, रूपेश भट्ट, कमल और विजय यादव की मदद से गैस निकालने के बाद रस्सी की मदद से हम लोग अंदर पहुंचे। यहां तीनों मजदूर बेहोश पड़े हुए थे। जैसे-तैसे उन्हें बाहर लाए। दो मजदूरों की सांसे उखड़ चुकी थी। मैंने तुरंत उन्हें सीपीआर देना शुरू कर दिया। चंद मिनट में दोनों की सांसे लौट आई। फिर तीनो को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।

तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने दो युवतियों को कुचला, मौत

चलाने वाला मौके से भाग निकला ; कार चंडीगढ़ पासिंग

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। खजराना इलाके में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटर सवार दो युवतियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवतियां सड़क के दूसरी ओर जा गिरी। दोनों को अलग-अलग कारों से तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया। यहां दोनों की मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इसी कार ने अन्य लोगों को भी टक्कर मारी है। खजराना एसीपी कुंदन मंडलोई ने बताया कि घटना के बाद उपचार के दौरान दोनों युवतियों की मौत हो गई। ड्राइवर घटना के वक्त कार वहीं छोड़ कर फरार हो गया था। कार ड्राइवर और मालिक की तलाश की जा रही है। पुलिस मौके से सीसीटीवी फुटेज की भी तलाश कर रही है। खजराना पुलिस के मुताबिक दीक्षा पुत्री आशोक जादौन निवासी तुलसी नगर और लक्ष्मी पिता नाथूसिंह तोमर को महालक्ष्मी नगर मेला ग्राउंड के पास एक्सीडेंट हो गया। राहगीरों ने एक को कोकिलाबेन और दूसरी को मेदांता अस्पताल भिजवाया। यहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। दोनों मेला देखकर घर लौट रही थीं। पुलिस के मुताबिक राहगीर अनुराग ने जानकारी दी है कि वह अपने परिवार के साथ मेला देखकर घर की तरफ जा रहे थे। तभी नेवी ब्लू रंग की तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार तेज गति से आता हुआ दिखा। उसने होंडा एवीएटर पर जा रही दो युवतियों को जोरदार टक्कर मार दी। कार असंतुलित होकर पोल से जा टकराई। इसके बाद कार ड्राइवर मौके से भाग गया। बाद में अन्य कार और दूसरी गाड़ी से दोनों युवतियों को अस्पताल भेजा गया।मृतका लक्ष्मी। वह चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। लक्ष्मी इंदौर में निजी कंपनी में काम करती थी।

शिवपुरी की रहने वाली है लक्ष्मी– मृतका लक्ष्मी शिवपुरी की रहने वाली है। उसके पिता किसान हैं। लक्ष्मी रात में वह अपनी सहेली दीक्षा, मयूरी और एक दोस्त के साथ मेला देखने पहुंची थी। सभी अलग-अलग गाड़ियों पर थे।

इंदौर गैंगरेप केस

आरोपियों के टारगेट पर होते थे कपल्स

ग्रामीण बोले– आर्मी अफसरों से लूट से पहले पुलिस पर भी कर चुके हैं हमला

इंदौर (एजेंसी)। आर्मी के ट्रेनी अफसरों से मारपीट और महिला मित्र से रेप करने वाले दो मुख्य आरोपी अनिल बारोर (27) और रितेश भाभर (25) पहले भी पुलिस पर हमले कर चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वे इसी तरह कपल्स को अपना शिकार बनाते हैं। कई लोगों से लूटपाट कर चुके हैं। दोनों पर केस भी दर्ज हैं। शनिवार को पुलिस ने सभी आरोपियों को महू कोर्ट में पेश किया था। 16 सितंबर तक सभी आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं।

2021 में मेढ़ गांव के पास जब जमीनी विवाद को लेकर प्रशासनिक अधिकारी कब्जा छुड़ाने पहुंचे थे तब अनिल और रितेश ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया था। इतना ही नहीं पुलिस जवानों पर गोफन भी मारे थे। दोनों के खिलाफ मानपुर थाने में अपराध भी दर्ज हैं। अनिल गोंडकुआ और रितेश बिलामी का रहने वाला है।

वहीं, इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर एक वीडियो सामने आया है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया, बल्कि सरपंच ने उन्हें सरेंडर कराया है।

पुलिस को आशंका– आर्मी जवान आरोपियों पर कर सकते हैं हमला

सूत्रों ने बताया कि पुलिस का आरोपियों को गुपचुप तरीके से घटना स्थल पर ले जाने का प्लान है। दरअसल, पुलिस को आशंका है कि आर्मी के जवान आरोपियों पर हमला कर सकते है। घटना के दूसरे दिन आर्मी के कई ट्रेनी ऑफिसर आरोपियों की तलाश में बड़गोंदा के पुराने थाने पहुंचे थे। हालांकि पुराना थाना कई महीनों से बंद है।

रीक्रिएशन के लिए आरोपियों को घटनास्थल ले जाने की तैयारी

आर्मी के ट्रेनी अफसर और उनकी महिला मित्र से गैंग रेप करने वाले सभी आरोपियों ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। रिमांड के दौरान सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इन सभी आरोपियों का मकसद केवल लूट की घटना को अंजाम देना था। लेकिन लड़कियों को देखकर उन्होंने रेप की वारदात की।पुलिस अब आरोपियों को सीन रिक्रिएशन के लिए घटना स्थल पर ले जाने की तैयारी कर रही है। हालांकि इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कहा है।

एएसपी ने कहा– वीडियो की जांच की जा रही

इस वीडियो को लेकर ग्रामीण एसपी हितिका वासल से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा- मैं सीएम साहब के प्रोटोकॉल में हूं। इस बारे में बाद में बात करूंगी। वहीं एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी का कहना है कि वीडियो सामने आया है। जो सरपंच वीडियो में बोल रहा है, वह भी आपराधिक प्रवृत्ति क है। वीडियो को संज्ञान में लिया गया है। जांच की जा रही है।

निजी कंपनी के कर्मचारी ने किया सुसाइड

चार माह पहले हुई थी शादी, रविवार को पत्नी को लेने ससुराल जाने वाला था

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तुकोगंज में रहने वाले निजी कंपनी के एक कर्मचारी ने सुसाइड कर लिया। देर रात परिवार के लोगों ने उसका शव फंदे पर लटके देखा। परिवार के मुताबिक चार माह पहले उसकी शादी हुई। रविवार को वह अपनी पत्नी को लेने गुना जाने वाला था।

तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अंकित (22) पुत्र प्रताप सिंह निवासी रुस्तम का बगीचे ने रात में अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। चचेरे भाई अवतार ने बताया कि रात में वह घर आए तो अंकित किसी का फोन नहीं उठा रहा था। परेशान होकर उन्होंने रात में दरवाजा तोड़ा। अंदर जाकर देखा तो वह फंदे पर लटका मिला।

चार माह पहले हुई शादी, पत्नी को लेने जाना था

भाई अवतार ने बताया कि चार माह पहले अंकित की शादी गुना में रहने वाली छाया से हुई थी। छठ पूजा को लेकर पत्नी मायके गई थी। रविवार को अंकित उसे लेने जाने वाला था। अंकित मूल रूप से शिवपुरी के पास गांव का रहने वाला था। परिवार में एक भाई अभिषेक है। अंकित ऑनलाइन कंपनी में काम करता था।

मालिक का कॉल भी नहीं उठाया

अवतार के मुताबिक अंकित रात में 9 बजे आया कमरे में चले गया। इसके बाद दरवाजा नहीं खोला। उसने मालिक का कॉल भी नहीं उठाया। रात में विजय नगर में पार्सल की गाड़ी खाली होना थी। तो छोटे भाई अभिषेक से मालिक ने उसके नंबर पर बात की। बाद में अभिषेक और अवतार मौके पर पहुंचे। उन्होंने गाड़ी खाली कराई। लेकिन देर रात उनके आने के बाद भी अंकित ने दरवाजा नही खोला तो घटना की जानकारी लगी।

भरण-पोषण की राशि बढ़ाने अर्जी लगाई, हाईकोर्ट ने घटा दी

फैमिली कोर्ट के फैसले पर कहा- महिला पढ़ी-लिखी, नौकरी करने से किसी ने नहीं रोका

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के एक फैसले को पलट दिया है। हाईकोर्ट ने पति से अलग हुई पत्नी के भरण पोषण की मंजूर राशि घटा दी है। जबकि, महिला ने इसे बढ़ाने की अर्जी लगाई थी। फैमिली कोर्ट ने पति को 60 हजार रुपए महीना भरण-पोषण देने आदेश दिया था, हाईकोर्ट ने इसे घटाकर 40 हजार रुपए कर दिया है।

10 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट ने फैसले में कहा, महिला पढ़ी-लिखी है। वह शादी से पहले और शादी के दौरान भी करती थी। अलग होने के बाद भी उच्च शिक्षित होने के कारण नौकरी कर सकती है। इसके लिए उसे किसी ने नहीं रोका। उसे पति से अच्छी पगार मिल रही है, इस कारण जॉब न करे, यह तो गलत है। पत्नी भरण पोषण की राशि को ही आइडियल माने तो भी गलत है।

हाई कोर्ट ने सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के कुछ केसों का भी हवाला दिया। कोर्ट ने माना कि फैमिली कोर्ट द्वारा मेंटेनेंस की 60 हजार रुपए प्रति माह की राशि बहुत ज्यादा है। उच्च शिक्षित और अच्छी नौकरी कर रही पत्नी को भरण-पोषण के लिए इतनी ज्यादा राशि (60 हजार प्रति महीने) की जरूरत नहीं है।

यूएई के बैंक में जॉब करती थी पत्नी– इंदौर के कपल की शादी 2003 में हुई थी। पति संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आईटी कंपनी में जॉब करते हैं। पत्नी भी वहीं पर एक बैंक में जॉब करती थीं। पत्नी मास्टर्स है, साथ ही शिपिंग और ट्रेडिंग में डिप्लोमा भी है। दोनों की कोई संतान नहीं है। 2015 में घरेलू बातों को लेकर विवाद होने लगे। बात इतनी बढ़ी कि दोनों यूएई में ही अलग-अलग रहकर जॉब करते रहे। कुछ समय बाद पत्नी इंदौर आ गई।

पति ने फैमिली कोर्ट के आदेश को किया था चैलेंज

महिला ने 2016 में फैमिली कोर्ट में पति पर भरण पोषण के लिए केस लगाया। फैमिली कोर्ट ने 2019 में विदेश में रहने वाले पति को 60 हजार रुपए प्रति महीने देने का आदेश दिया। हालांकि पत्नी इससे संतुष्ट नहीं थी। पत्नी ने 2019 में हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन लगाई। भरण पोषण की राशि बढ़ाने की मांग की।

पति ने भी फैमिली कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चैलेंज किया। पति ने कहा कि यह राशि बहुत ज्यादा है। इसे कम किया जाए। कोर्ट ने क्रिमिनल रिवीजन के साथ दोनों पक्षों को एक साथ सुना। हाईकोर्ट ने 60 हजार रुपए की जगह हर माह दिए जाने वाली राशि को 40 हजार रुपए कर दिया।

संपादकीय

मप्र में 'सांची' पर सियासी घमासान

मध्य प्रदेश में सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ के ब्रांड सांची को गुजरात के 'अमूल' को सौंपने को लेकर राजनीति घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इसे मप्र को केन्द्र सरकार और गुजरात के दबाव में लिया गया फैसला बताया है तो सत्तारूढ़ डॉ. मोहन यादव सरकार का कहना है कि 'अमूल' केवल सांची का प्रबंधन देखेगा। इसका मकसद मप्र सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ को लाभ में लाना तथा इसके मार्केटिंग नेटवर्क को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि अमूल भी गुजरात के दुग्ध उत्पादक किसानों की सहकारी संस्था है। इसका संचालन राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) करता है। अपने पेशेवर कौशल और गुणवत्ता के जरिए 'अमूल' अब अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बन चुका है। हालांकि मप्र दुग्ध उत्पादक संघ का सांची ब्रांड भी काफी लोकप्रिय है। इसके दूध की सर्वाधिक खपत भोपाल में ही होती है, जबकि सांची के अन्य उत्पाद जैसे श्रीखंड, पेड़ा, छेना खीर आदि काफी लोकप्रिय और स्वादिष्ट हैं। लेकिन 'सांची' काफी समय से घाटे में चल रहा है। इसलिए इसे प्रोफेशनल हाथों में देने पर विचार चल रहा था। फैसला अब मोहन यादव सरकार के समय हुआ है। उधर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव ने आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि हम मप्र की पहचान 'सांची' को हर हाल बचाएंगे। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा का आरोप है कि मप्र के विश्वसनीय ब्रांड 'सां'ची को गुजरात का ब्रांड अमूल पीछे के दरवाज़े से टेक ओवर कर रहा है। मप्र की 7.5 करोड़ जनता इसका विरोध करेगी। तन्खा ने कहा कि कांग्रेस इस मामले को विधानसभा और संसद में उठाएगी। जरुरत पड़ी तो हम अदालत में भी जाएंगे। हालांकि राज्य सरकार के फैसले से प्रमुख सचिव डेयरी व पशुपालन गुलशन बामरा सहमत नहीं थे। लेकिन सांची को एनडीडीबी को सौंपने के लिए सरकार ने उन्हें ताबड़तोड़ तरीके से पद से हटा दिया। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में देश के कुल दूध उत्पादन का 9 से 10 प्रतिशत उत्पाद होता है जो यूपी और राजस्थान के बाद सबसे ज्यादा है। सरकार का लक्ष्य अगले 5 साल में इसे दोगुना करने का है जिसका खाका अब राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड बनाएगा। सांची के हस्तांतरण को लेकर सांची दुग्ध संघ कर्मचारियों में भी कई तरह की आशंकाएं हैं। हालांकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें आश्वस्तिम किया कि सांची ब्रांड यथावत रहेगा। अमूल के जरिए इस संस्था का मेकओवर किया जा रहा है। इस बदलाव में किसी भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। मुख्यामंत्री ने कहा कि मप्र का डेयरी ब्रांड ''सांची'' बरकरार रहेगा। सांची ब्रांड का अपना महत्व है। राज्य के लोगों का इस ब्रांड से आत्मीय जुड़ाव है। सरकार का दावा है कि ताजा फैसले से प्रदेश में पांच साल में दूध का उत्पादन दोगुना होगा और राज्य के 40 हजार दुग्ध उत्पादकों को इससे आर्थिक लाभ होगा। सरकार ने एनडीडीबी से जो समझौता किया है, उसके मुताबिक घाटे में चल रहे सांची में प्रदेश सरकार भी 1500 करोड़ निवेश करेगी। गांवों में 33 हजार दुग्ध समितियां बनेंगी। पहले चरण में 11 हजार गावों में 50 साल पुरानी मशीनरी को भी बदला जाएगा। एनडीडीबी सांची उत्पादों की गुणवत्ता को बेहतर करने के साथ सांची की ब्रांडिंग और आधुनिकीकरण में मदद करेगा। लेकिन इस पर राजनीति बंद होगी, इसके आसार नहीं है। कर्नाटक में भी पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में 'नंदिनी' बनाम 'अमूल' बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया था। जिसका भाजपा को नुकसान हुआ था। हालांकि मप्र में अब कोई बड़ा चुनाव नहीं है, लेकिन सांची पर राजनीति बंद होने के आसार नहीं है।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

बंगलादेश में सत्ता परिवर्तन : एक विश्लेषण

9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के आह्वान पर करो या मरो आंदोलन शुरू हुआ था। 14 अगस्त भारत के विभाजन की पीड़ादायक तिथि है और पाकिस्तान का जन्म दिवस है। 15 अगस्त भारत की आजादी का सरकारी दिन है। हालांकि इस बार 15 अगस्त का दिवस बड़े पैमाने पर प्रधानमंत्री के आह्वान पर और सरकार की पहल पर मनाया गया। यह केवल आजादी के जश्न का दिन था या इसके पीछे कोई राजनीतिक पटकथा है यह तो भविष्य बताएगा? परंतु यह जानकारी मीडिया में आई है कि गुजरात के कपड़ा कारखाने वालों ने और व्यापारियों ने कई माह पूर्व से लाखों की संख्या में झंडे तैयार कर लिए थे जिससे उनकी गोदामें भरी पड़ी थी।

अगस्त के आरम्भ से देशभर के व्यापारियों के पास ये झंडे पहुंचा दिए गए थे। एक मोटे अनुमान के अनुसार गुजरात के व्यापारियों ने 50 से 60 करोड़ रूपया छोटे झंडों की बिक्री से और 400 से 500 करोड़ बड़े झंडों की बिक्री से कमाया है। तथा देश के फुटकर व्यापारियों को भी छोटे झंडों से 40 करोड़ रूपया तथा बड़े झंडों से 200 से 300 करोड़ का मुनाफा हुआ है। देश के आम आदमी को भले ही दिन-दो दिन की मजदूरी का नुकसान हुआ हो, परंतु व्यापार जगत खुश है। आखिर हर जश्न या पर्व, धार्मिक या गैर धार्मिक त्यौहार, अंततरू गरीब को चिंता देते हैं और अमीर को मुनाफा। सरकार को प्रचार देते हैं और नेताओं को भाषण का मंच। डॉ. लोहिया कहते थे कि देश की आजादी का सही दिन तो 9 अगस्त है जिस दिन बापू के आह्वान पर देश की जनता ने अपने को आजाद घोषित किया था। 15 अगस्त तो सत्ता हस्तांतरित करने का दिन है। वह कहते थे कि 15 अगस्त का विरोध नहीं करना है परंतु 9 अगस्त को इतनी जोर से मनाओ की 15 अगस्त पीछे हो जाए और जनता सत्ता को महत्वपूर्ण मानने के बजाए जन क्रांति को महत्वपूर्ण माने। लोहिया की बात का मर्म सरकारें बेहतर समझती हैं जनता भले ही न समझे। अगर भारत की आजादी का दिन भी 9 अगस्त होता तो लोग जुल्मी सरकारों के खिलाफक्रांति करना सीखते। 15 अगस्त आजादी के प्रस्ताव की और हस्तांतरण की याद दिला सकता है परंतु जनता के मन को जगा नहीं सकता।

अगस्त में ही बांग्लादेश में छात्रों का सत्ता विरोधी अभियान निर्णायक मोड़ पर पहुंचा और जिसके चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता और देश दोनों छोड़ना पड़े तथा भारत में अघोषित शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश के बदलाव के पीछे दोनों पक्ष हैं। एक पक्ष प्रधानमंत्री शेख हसीना के अनुसार अमेरिका के द्वारा कराया गया सुनियोजित कूप है, क्योंकि उन्होंने अमेरिका की मांग के अनुसार दो द्वीप उन्हें देने से इनकार किया था। अमेरिका इन द्वीपों पर अपने सैन्य अड्डे बनाता और उसका निशाना चीन होता। यह अमेरिका की विदेश नीति और चीन को घेरने की अपनी सुपरपावर की श्रेष्ठता को कायम करने की नीति का हिस्सा है। चीन जो महत्वकांक्षी सड़क मार्ग चीन से ईरान को जोड़ने और व्यापार के नियंत्रण की योजना पर कार्य कर रहा है यह अमेरिका के लिए आत्मघाती चुनौती जैसा है। शेख हसीना का राजनीतिक आंकलन सही हो सकता है, क्योंकि ऐसे कूप अमेरिकी इशारे पर दुनिया में कई जगह पहले भी हुए हैं। वर्ष 2009 का जैस्मीन रेवोल्यूशन भी इसी प्रकार का कूप था। जो कि टयूनीषिया और बाद में मिस्र में हुआ था जहां जनता ने राष्ट्रपति हुस्ने मुबारक का राजभवन एक अज्ञात लड़की के आह्वान पर घेरा था तथा सेना ने हुस्ने मुबारक से इस्तीफा कराया था फिर मुर्सी सत्ताशीन हुए और अब ना हुस्ने मुबारक का पता है और ना मुर्सी का और ना उस अज्ञात लड़की का। लगभग ऐसी ही घटना रूस में हुई थी जब गोर्बाचोव को सत्तासीन कराया गया था। अमेरिका को गृह विद्रोह कराने का कौशल सिद्ध है।

परंतु इसका एक दूसरा पक्ष भी है कि पिछले 15 वर्षों में शेख हसीना ने जो दमन राज चलाया था वह भी इस विद्रोह का कारण बना। बांग्लादेश के अखबार और बुद्धिजीवी इसे आयरन हैंड कहकर प्रशंसा करते थे और वह आयरन हैंड ही अब उनके लिए आयरन हैंग बन गया।

एक वर्ष पहले हुए लोकसभा चुनाव के बाद बांग्लादेश में जमीनी स्तर पर एक अभियान शेख हसीना के खिलाफ चल रहा था और स्वतः हसीना ने जो अपना सर्वेक्षण कराया था उसके अनुसार मात्र एक माह में उनकी लोकप्रियता 17 प्रतिशत कम हो चुकी थी। परंतु सत्ता का मद वास्तविकता को दबा देता है। निसंदेह बीएनपी जो मरहूम जिया उर रहमान सैन्य राष्ट्रपति की पार्टी है जिसे पिछले चुनाव में शेख हसीना ने चुनाव आयोग के माध्यम से चुनाव लड़ने से ही अयोग्य घोषित कर दिया था, के लोग इस विद्रोह में शामिल हुए होंगे। जमायते इस्लामी जो मुस्लिम कट्टरपंथी दल है वह भी इसके पीछे होगा। क्योंकि शेख हसीना ने इस्लामिक आतंकवादियों और अपराधियों को मृत्यु दंड की सजा तक दिलाई थी। परंतु इन दोनों की जनशक्ति कोई बहुत ज्यादा नहीं है। दरअसल बेरोजगारी, दमन और सत्ता दुरुपयोग ने आम आदमी को शेख हसीना की सत्ता के खिलाफ कर दिया था और यह अमेरिकी योजना के लिए एक कारगर हथियार साबित हुआ। यह बात सही है कि मई 2023 से ही शेख हसीना को हटाने की अमेरिकी तैयारी की शुरुआत हो चुकी थी।

एक भारतीय सैन्य अधिकारी की डायरी के कुछ पन्ने अब प्रकाशित हुए हैं जिसमें उन्होंने मई 2023 से लेकर हाल तक की घटनाओं के ब्यौरे दर्ज किये हैं। आधुनिक मशीनों के माध्यम से वे यह सूचनाओं को भारत सरकार को नहीं भेज सकते थे, क्योंकि सीआईए के उपकरणों से उसे पकड़े जाने का भय था इसलिए उन्होंने लिखकर यह सूचनाएँ भारत सरकार को दी थीं कि किस प्रकार बांग्लादेश के सैन्य अधिकारियों और अमेरिकी राजनयिक और अधिकारियों की मुलाकातें कब और कहां हुई हैं, यह बतलाया था।

हो सकता है कि यह सूचनाएं शेख हसीना को भी अपने खुफिया तंत्र के द्वारा या भारत के संकेतों के द्वारा प्राप्त हुई होंगी। परंतु इस विद्रोह के कुछ दिन पूर्व उनका बीजिंग जाना और फिर वहां से लौटकर सीधे बजाय ढाका जाने के दिल्ली आना कुछ संकेत देता है। इसी के चलते बांग्लादेश के सैनिक प्रमुख ने जो शेख हसीना के रिश्तेदार हैं और 5 माह पूर्व उन्हें शेख हसीना ने नियुक्त किया था, के द्वारा उन्हें सुरक्षित भारत के हिंडन सैन्य हवाई पट्टी पर भेजा। वे बांग्लावासियों के नाम संदेश देने की तैयारी में थीं और सेना प्रमुख ने उनके पास जाकर कहा कि आपके पास मात्र 40 मिनट का समय है तथा वह और उनकी बहन मामूली सामान लेकर भारत देश आ गईं। भारत ने अभी तक उनके शरणार्थी होने की विधिवत घोषणा नहीं की है और ना अभी तक बांग्लादेश की नई सत्ता ने उनके प्रत्यार्पण की मांग ही की है। यद्यपि भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यार्पण संधि है पर वह केवल अपराधियों को लेकर है, राजनीति के अपराधियों के लिए नहीं है। अमेरिका ने उनका वीजा रद्द किया है। ब्रिटेन और यूरोप ने लगभग प्रतिबंधित किया है। और वह भारत में बतौर मेहमान हैं। क्या यह सब अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक और कूटनीति का हिस्सा नहीं है? पहले सूचना आई थी कि बांग्लादेश के सैनिक प्रमुख सीधे कमान संभालेंगे इसके बाद में मोहम्मद यूनुस जो अमेरिकी हित चिंतक माने जाते हैं जिन्हें माइक्रो फाइनेंसिंग के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया है और श्रीमती हसीना ने जिन्हें भ्रष्टाचारी बताकर उनके खिलाफमुकदमे दर्ज कराए थे और वह बांग्लादेश छोड़कर बाहर रह रहे थे, को बुलाकर बांग्लादेश की सत्ता सौंप गईं। पहले 14 सदस्यीय सलाहकार समिति बनी और अब उसे बढ़ाकर 21 सदस्यीय कर दिया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि नए नियुक्त सदस्यों में आंदोलन के अग्रणी युवा भी शामिल हैं जिनका संबंध न बीएनपी से है और न जमाते इस्लामी से। अब बांग्लादेश में एक नया जन अभियान शुरू हुआ है कि अब इन दोनों पार्टियों यानी शेख हसीना की पार्टी और बीएनपी दोनों को लोग नहीं चाहते अब छात्र अपने एक राजनीतिक दल के निर्माण की पहल कर रहे हैं संकेत बहुत साफ है कि अब अमेरिका न सैन्य शासन की उत्तराधिकारी खालिद जिया और ना शेख हसीना को सत्ता में आने देना चाहता है बल्कि वह अपनी जरूरत के अनुसार छात्रों की अगुवाई में एक नई पार्टी शुरू कराएगा और उसे सत्ता पर काबिज कराएगा। जो कट्टरपंथी नहीं होगी, जो सैन्य नियंत्रण में नहीं होगी और जो अमेरिकी राजनीतिक हितों और नीतियों के लिए अनुकूल होगी। बांग्लादेश को चीन ने अपने अनुकूल बनाने के लिए लगभग 40 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। अब दुनिया के ताकतवर संपन्न और लुटेरे देश साहूकारी, विदेश नीति का उपयोग कर रहे हैं। पहले इसका प्रयोग मुख्यतः अमेरिका करता था परंतु पिछले दो-तीन दशकों से साहूकारी विदेश नीति का दुनिया में अमेरिका को हटाकर चीन सिरमौर बन रहा है। हो सकता है इस दबाव से बांग्लादेश को मुक्त करने के लिए अमेरिकी इशारे पर आईएमएफ बेल आउट पैकेज स्वीकृत करें और कर्ज से कर्ज की मुक्ति कराये।

बांग्लादेश का भविष्य अभी तय होना है परंतु आज हमें महात्मा गांधी और डॉ. राम मनोहर लोहिया को याद करना जरूरी है। महात्मा गांधी की विभाजन की खिलाफत और दिशा निर्देशों को समझकर डॉक्टर लोहिया ने 1956 से भारत-पाक महासंघ की चर्चा शुरू की थी। जब उन्होंने कलकत्ते की पत्रकार वार्ता में इसे कहा तो बांग्ला प्रेस ने (वहां के अखबारों) ने उन्हें पागल करार दिया था। आज इतिहास यह चीख-चीख कर बोल रहा है कि 1946 में गांधी की बात और 1956 में लोहिया की बात मान ली गई होती तो आज ना बांग्लादेश में सेना और विदेशी परतंत्रता होती और ना पाकिस्तान में व शायद भारत की विदेश नीति भी वैश्विक ताकतों की पिछलग्गू ना होकर आजाद मुल्क की आजाद विदेश नीति होती। डॉ. लोहिया ने भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बारे में कहा था कि यह बंटवारा नकली है और लंबे समय तक पाकिस्तान एक राष्ट्र के रूप में बना रह पाएगा यह संदिग्ध है। उन्होंने एक राजनीतिक भविष्य दृष्टा के रूप में सन 1950 में ही घोषित कर दिया था कि पाकिस्तान की एक देश के रूप में बनावट बिल्कुल नकली है और उसके दो हिस्सों के बीच 1000 मील हिंदुस्तान का इलाका है। पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान का मौजूदा रिश्ता कायम नहीं रह सकता। पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) या तो पश्चिमी पाकिस्तान का गुलाम बन जाएगा या फिर पश्चिमी पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते बराबर ढीले पड़ते जाएंगे। पश्चिमी पाकिस्तान के पास इतनी फौजी ताकत नहीं की वह पूर्वी पाकिस्तान को गुलाम बनाकर रख सके। अतरू गुलामी की अपेक्षा स्वाधीनता की संभावना ज्यादा है, जो 1971 में बांग्लादेश बनने पर सच साबित हुई।

डॉक्टर लोहिया ने सप्तक्रांति में विश्व संसद की कल्पना प्रस्तुत की थी और अगर यह हुआ होता तो आज ना बांग्लादेश के घटनाक्रम होते, और न ही हथियार होते और न युद्ध होते न सीमा विवाद होते न तानाशाही का खतरा होता। बल्कि दुनिया लोकतंत्र की खुशबू से महक रही होती। अमीरी व गरीबी से मुक्त होकर बराबरी की दुनिया होती और महात्मा गांधी और भारतीय सभ्यता के संदेश के अनुसार एक कुटुंब के समान होती तथा वसुधैव कुटुंबकम का नारा शास्त्रों में वर्णित उपदेश से नीचे आकर दुनिया की जमीन पर पुष्पित और पल्लवित हो रहा होता।

विश्व ओजोन दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चिंता का सबब बनता ओजोन परत

16 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है। प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय है 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉलः जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना'। विश्व ओजोन दिवस का यह विषय ओजोन परत की रक्षा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापक जलवायु कार्रवाई पहलों को आगे बढ़ाने में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई थी।

विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना शुरू हो जाते हैं और सर्दी की तुलना में गर्मी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुंचने वाली पराबैंगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं।

ओजोन परत वातावरण में बनती है। जब सूर्य से पराबैंगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती है और ये परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं। ओजोन परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊंचाई पर वायुमण्डल के समताप मंडल क्षेत्र में ओजोन गैस का एक झीना सा आवरण है। यह परत पर्यावरण की रक्षक मानी गई है क्योंकि यही वह परत है, जो पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। हमारे ऊपर के वातावरण में विभिन्न परतें शामिल हैं, जिनमें एक परत स्ट्रैटोस्फियर है, जिसे ओजोन परत भी कहा जाता है। ओजोन गैस प्राकृतिक रूप से बनती है। निचले वातावरण में पृथ्वी के निकट ओजोन की उपस्थिति प्रदूषण बढ़ाने वाली और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक लेकिन ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत की उपस्थिति पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यावश्यक है। जब सूर्य की किरणें वायुमंडल में ऊपरी सतह पर ऑक्सीजन से टकराती हैं तो उच्च ऊर्जा विकिरण के कारण इसका कुछ हिस्सा ओजोन में परिवर्तित हो जाता है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों के लिए एक अच्छे फिल्टर के रूप में कार्य करती है। सूर्य विकिरण के साथ आने वाली पराबैगनी किरणों का लगभग 99 फीसदी भाग ओजोन मंडल द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे पृथ्वी पर रहने वाले प्राणी एवं वनस्पति सूर्य के तेज ताप और विकिरण से सुरक्षित हैं और इसी कारण ओजोन परत को सुरक्षा कवच भी कहा जाता है। यही कारण है कि प्रायः कहा जाता है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

मालवा में हिमाचल दर्शन

हैरिटेज ट्रेन यात्रा

मोहन वर्मा

इन्दौर मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा व्यावसायिक शहर तो है ही प्राकृतिक रूप से भी संपन्न है। इन्दौर के आसपास मांडव,चोरल, तिंछाफाल, रालामंडल, पातालपानी जैसे अद्भुत प्राकृतिक पर्यटन स्थल है जो मानसून के बाद आमजन को आकर्षित करते है। मालवावासियों को इन्हीं प्राकृतिक स्थलों से रूबरू करवाने की मंशा से पश्चिम रेल्वे ने सन 2018 के दिसंबर माह से एक हैरिटेज ट्रेन की शुरुवात की जिसे छोटी लाईन पर महू के पास स्थित पातलपानी से 16 किलोमीटर दूर कालाकुंड तक लाने ले जाने से पर्यटक इस क्षेत्र में बिखरे प्राकृतिक सौन्दर्य के नजारों का आनंद ले सकें। इस ट्रेन में 2 एसी और तीन नॉनएसी बोगियां हैं जिनका एक तरफ का सामान्य क्लास का किराया मात्र 20 रूपये और एसी का 265 रूपये हैं । सप्ताह के तीन दिन शुक्र,शनि और रविवार को चलने वाली यह ट्रेन (क्रमांक 52965) चुंकि मानसून में ही चलती है और सीटों की संख्या भी कम है इसलिए टिकट ऑनलाइन बुक किए जा सकते है।

2018 से शुरू इस हैरिटेज ट्रेन का 2024 तक का खुद का सफ़र भी उतार चढाव वाला रहा है।इन छह सालों में कभी तकनीकि कारणों से तो कभी पर्यटकों की कम संख्या के कारण ट्रेन बंद चालू होती रही। पिछले साल अगस्त में शुरू ट्रेन फिर जनवरी 24 में बंद हो गई जिसे एक बार फिर 20 जुलाई 24 को शुरू किया गया क्योंकि रेलवे की मंशा मालवा के उन लोगों को इस क्षेत्र से रूबरू करवाना था जो मालवा में ही उत्तराखंड या हिमाचल की वादियों से रूबरू हो सकें । स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश इंदोर के जुनूनी अध्यक्ष प्रवीणजी खारीवाल ने अपने पत्रकार साथियों और उनके परिवारों को हैरिटेज ट्रेन का आनन्द लेने के उद्देश्य से एक अनुपम कार्यक्रम रचा और बीते शनिवार सौ से अधिक परिवारजनों के साथ हमने भी इस यात्रा का लुत्फ़ उठाया ।

इन्दौर से 24 दूर महू और महू से मात्र छह किलोमीटर दूर पातलपानी के आधा किलोमीटर पहले बने डॉ आंबेडकर स्टेशन से सुबह 11.05 यह ट्रेन चलती है। मात्र दस मिनिट में 11.15 पर पातलपानी स्टेशन पहुंचती है जहाँ क्षेत्र के जुझारू आदिवासी क्रांतिकारी टन्टिया भील की समाधि है जिन्होनें 1842 से 1889 के बीच अंग्रेजों को नाकों चने चबवा दिए थे और अन्ततः उन्हें फांसी की सजा सुनाई गई थी। पातलपानी प्राकृतिक सौन्दर्य से लबरेज एक सुन्दर पर्यटक स्थल है जहाँ खुबसूरत वाटरफाल के साथ विन्ध्याचल पर्वत श्रखला और हरियाली से आच्छादित घने वृक्ष मन को मोहते हैं ।

डॉ अम्बेडर स्टेशन से पातलपानी और कालाकुंड तक का कुल सफ़र मात्र 16 किलोमीटर का है मगर आसपास के मनोहारी दृश्यों और बीच में आने वाली तीन चार टनलों का आनंद लेते पातलपानी से कालाकुंड तकरीबन दो घंटों में पहुंचते हैं जहाँ पर्यटक आसपास बहती चोरल नदी में स्नान का आनंद भी ले सकते हैं । हरियाली से आच्छादित दूर पहाड़ों और वाटरफाल की नजदीकी सेल्फी और

फोटोग्राफी के दीवानों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं हैं। जैसे फतेहाबाद अपने गुलाबजामुन के लिए प्रसिद्ध है वैसे ही कालाकुंड अपने स्वादिष्ट कलाकंद के लिए जाना जाता है जिसका अलग ही स्वाद है। और फिर मालवा के स्वाद प्रेमियों को और क्या चाहिए ?

वापसी में यह ट्रेन (क्रमांक 52966) दोपहर में 3.30 पर कालाकुंड से पातलपानी होते हुए तकरीबन 4.30 पर डॉ अम्बेडकर स्टेशन पहुँचती है मगर इन चार पांच घंटों के सफ़र में पर्यटक कुछ की रुपयों में प्रकृति के उन नजारों का आनंद ले सकते है जिन्हें देखने वो हजारों रूपये खर्च करके उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश नहीं जा सकते। हो सकता है आने वाले दिनों में महू खंडवा बड़ी लाईन बन जाने के बाद यह हैरिटेज ट्रेन बंद हो जाये इसलिए पर्यटक प्रेमियों को एक बार इस यात्रा का आनंद मानसून में जरुर लेना चाहिए

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अवनीश सोमकुवर

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जूतों की जुबां

मुझे कब पहनोगे? यह अजनबी आवाज सुनते ही मैं चौक उठा। कोविड प्रोटोकाल में होम कोरेंटाइन में पंखा, अखबार, किताबें, थर्मस, दवाइयां देखते समय बीत रहा था।

अरे भाई तुम्हीं से पूछ रहा हूं यार। कितने दिन हो गये मुझे पड़े-पड़े और तुम्हें भी। मेरे ऊपर धूल जम गई और तुम्हारे दिमाग पर पर्दा पड़ गया। अब मुझे कब पहनोगे ? मैं फिर चौक उठा कि कौन आवाज दे रहा है और कहां से ? फिर समझा कि यह मेरे जूतों आवाज की आवाज थी।

इससे पहले मैं कुछ कहता वे बोले - कमाल करते हो यार । हम तुम्हारे दोस्त हैं जूते। हमें इतने जल्दी मत भूलो। याद है न कितने खुश हुए थे तुम अमेजन से आया पार्सल खोलकर जब हम बाहर निकले थे। डेलीवरी मैन को तुमने अलग से पैसे भी दिये थे। पार्सल खुलते ही हमें पहन भी लिया था और बोले थे बरसों बाद पसंद की चीज मिली।

मैंने सर हिलाकर कहां हां याद है।

वे बोले और याद करो कि हमने कहा था कि पहला दिन है। पहली सुबह है। पहला नशा, पहला खुमार, नया प्यार है नया इंतजार । हमने कहा था कि पहले दिन देर तक मत दौड़ो। थक जाओगे और हमें कोसोगे। याद है तुमने क्या कहा था। तुम दौड़ते रहे और कहते रहे कि जूते, तनख्वाह, बीवी, गाडी, कपडे सब नये-नये अच्छे लगते हैं। बाद में बोर करते हैं। तभी हम समझ गये थे कि तुम घटिया आदमी हो लेकिन हम भी कनफ्यूज थे अवाम की तरह।

इससे पहले मैं कुछ कहता जूते फिर बोलने लगे और लगातार बोलते रहे। मैं सिर्फ सुनता रहा। कई शिकायतें की। खुश भी हुए। यहां तक कहा कि तुम्हारी औकात नहीं कि तुम हमें पहनो। कभी तारीफ भी की।

वे कहते रहे कि देखो जब हमें तुमने पहली बार पहना था तो हमें बहुत गुस्सा आया था अपनी किस्मत पर कि किस मूर्ख के पैर में पड़ गये । लेकिन काफी दिन बाद जब तुम्हारी पैर की छिंगली ने जगह बनाते-बनाते खिड़कीनुमा गड्ढा बना लिया तो तुम हमें मोची के यहां ले गये। जब मोची ने कहा कि बाबूजी अब जूते बदल लो। तब तुमने कहा था नहीं अब मैं इनका साथ नहीं छोड़ सकता। सच कहें तब हमें लगा कि तुम अच्छे आदमी हो। लेकिन यार तुम्हारी हरकतें ठीक नहीं है।

इससे पहले कि मैं पूछता ऐसा क्या करता हूं वे बोले पहले तो तुम अखबार पढना बंद करो। ये तुम्हारा कम्बख्त अंग्रेजी अखबार । रोज हमारे ऊपर गिरता है। सिर्फ एक दिन हमारी कंपनी का विज्ञापन छपा था तब हमें अच्छा लगा था । हमारे भाई-बहनों की फोटो छपी थी। मेरा सवाल मन में ही रह गया कि अब क्या हुआ। वे बोले अब तो दंगे-फसाद कोविड, इलेक्शन, चीन-पाकिस्तान-अमेरिका यही सब छपता है। पढ़-पढ़ के इस अखबार के संपादक के जूतों से ही हमें नफरत हो गई। और एक बात यार हमारे ऊपर तुम ये क्या छिड़क देते हो जलन होने लगती है। मैं कहने ही वाला था कि ये सेनीटाइजर है वे बोले कि अब मत डालना। हमें तो नहाना अच्छा लगता है। वो सर्फ के झाग वाले सुगंधित घोल में हम डूब-डूब का रहा लेते हैं। और तुम हमें धूप में रखकर भूल जाते हो। तुम्हें पता नहीं कि हम सूख कर कितना चिल्लाते हैं कि भाई अब तो छांव में रख दो। तुम सुनते नहीं। शाम को हमें चैन मिलता है और हम खुद तंग आकर चिल्लाना बंद कर देते हैं।

तुम्हें याद है न कि कितने बार हमने तुम्हें ठोकर लगने से बचाया। गिरे हुए को गिरने से बचाने का हमें कोई इनाम भी नहीं चाहिए। बस तुमसे यही कहना है कि नीचे भी देख कर चला करो। अब सुन रहे हो तो सुनो। कुछ शिकायतें और है।

इससे पहले कि मैं पूछता अब और कौन सा गुनाह कर दिया उन्होने कहा कि देखो चार दिन पहले तुम रामजी पटेल के यहां भोज में गये थे। पंगत में खाना परोसा जा रहा था। तुमने क्या किया ? कोई हमें पहन कर चला न जाये इस डर से तुम हमारे ऊपर ही बैठ गये और खाना खाने लगे। तुम्हारे अस्सी किलो के वजन के कारण हमारी तो शक्ल-ओ-सूरत ही बदल गई थी। दूसरी शिकायत यह कि बात-बात में कहते है दो जूते मारूंगा। हम डर जाते हैं। हम दो ही हैं। तुम्हारा निशाना चूका कि हमारा तो अस्तित्व ही खत्म। सुना है न - जाने वाले फिर नहीं आते जाने वालों की याद आती है।

मैं सोचता रहा कि जूतों के मन की बात को काटना नहीं चाहिए। वे बोले हम चाहते थे यह देखना कि लाकडाउन में पुलिस पुटठों पर डंडे कैसे मारती है। तुम्हारे घर पर पड़े रहने से यह सपना अधूरा रह गया । मैं कुछ कहूं इससे पहले जूते कह उठे कोई जरूरत नहीं तुम सिर्फ सुनो हमारे मन की बात।

वे बोले चलो छोडों अब मंदिर चलते हैं। वहां हमारे कई नाते रिश्तेदारों से मिलना हो जायेगा। हमें भी पता चल जायेगा मार्केट में कौन कौन सी कंपनियां आ गई हैं जो तुम्हारे पैरों को सजाने के लिये हमारी कुर्बानी दे रही हैं। ये लिबर्टी कंपनी ने हमें लिबर्टी दी होती तो कुछ ढीठ लोगों को तो हम कभी का ठीक कर देते। और सुनों मंदिर में भंगवान का दर्शन करते वक्त हमारा ध्यान मत करना । हम कहीं नहीं जायेंगे। हम रहेंगे तो तुम भी बचे रहोगे। मालूम हैं न हमारी चचेरी बहन सैंडल क्यों नहीं पहनते तुम ? तुम्हारे गालों और सिर पर जो निशान हैं न --- मैने कहा अब बस करो भाई चल रहा हूं। उन्होने कहा बस कैसे करो। हमने कहा था कि हमें पहनकर नूतन गर्ल्स् कालेज के सामने से सिर झुकाकर निकलना । तुम अपनी हरकतों से बाज नहीं आये और अब सैंडल देखते ही कंपकपी छूट जाती है तुम्हारी। यार तुम कितने निकम्मे हो तुम्हारी याददाश्त अच्छी है। हमें ज्यादा बोलना नहीं पड़ता।

मैने चुपचाप जूते पहने और मंदिर के लिये रवाना हो लिया। रास्ते भर वे गुनगुनाते रहे - ऐ भाई जरा देख के चलो आगे भी नहीं पीछे भी।

देखा पढ़ा

ब्रजेश कानूनगो

जागरूक घुमक्कड़ के बहाने फिटनेस की बातें

घुमक्कड़ी का जुनून लिए दुनिया की सैर को निकले घुमक्कड़ व्लॉगरों के लिए सबसे जरूरी होता है अपनी सेहत का खयाल रखना। अपनी यात्राओं के दौरान इन्हे अनेक प्राकृतिक और पारिस्थितिक कठिनाइयों से गुजरना होता है। समय चक्र में परिवर्तन के अलावा मौसम और तापमान में बदलाव, खान पान की भिन्नता के अलावा स्थानीय जन जीवन की जीवन शैली का भी घुमक्कड़ के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। ऐसे में अपनी सेहत का पर्याप्त ध्यान रखना भी इनके लिए बेहद जरूरी हो जाता है। आमतौर पर घुमक्कड़ ऐसा करते भी हैं और तन और मन को सक्रिय व स्वस्थ बनाए रखने के उपाय भी करते हैं। जरूरी विश्राम और मनोरंजन के साथ कसरत अर्थात व्यायाम या आज की भाषा में शारीरिक वर्क आउट को भी अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेते हैं। कुछ यात्री योगाभ्यास को भी दिन की शुरुआत में अपना लेते हैं।

घुमक्कड़ी के दौरान फिटनेस की चर्चा से पहले उचित होगा कि हम फिटनेस के इतिहास पर भी थोड़ी नजर डाल लें। सच तो यह है कि मनुष्य और उसके जीवन के विकास के साथ ही आदिम काल में ही फिटनेस की अवधारणा भी फलीफूत होती गई है। शारीरिक बलिष्ठता को लक्ष्य में न रखते हुए भी आदिम काल का इंसान केवल अपनी जान बचाने के प्राथमिक उद्देश्य से अनायास ही फिटनेस की ओर उन्मुख हुआ। खतरों से बचने के लिए उसके सामने एक ही उपाय था, भागो, दौड़ते जाओ। इस उपक्रम में अपनी जान बचाने के लिए वह पेड़ पर चढ़ जाता, पहाड़ों और चट्टानों पर चढ़ता, छलांग लगाता, भारी पत्थरों को उठाता, शत्रु की ओर फेंकता वही सब करता जो आज बलिष्ठता के लिए व्यायाम शालाओं, खेल के मैदानों में या आधुनिक जीमों की मशीनों पर किया जाता है, या करवाया जाता है किसी प्रशिक्षक द्वारा।

और जब मनुष्य ने खेती करना शुरू की तो कृषि और उससे जुड़े कार्यों में उसे श्रम करना जरूरी हो गया। खेत जोतने से लेकर खेती कार्यों में मेहनत करके अपना पसीना बहाने लगा, उसकी बलिष्टता और फिटनेस का आधार शारीरिक श्रम बन गया। आगे चलकर समूह बने, अपनी सीमाओं का निर्माण हुआ, राज्य, देश बने तो आधिपत्य के संघर्ष हुए, युद्ध होने लगे। तब सैन्य बलों और सैनिकों को तंदुरुस्त और शक्तिशाली बनाने की दृष्टि से प्रशिक्षणों में फिटनेस के उपाय किए जाने लगे। प्राचीन एथलेटिक खेलों की शुरुआत भी यूनान में इसी उद्देश्य से हुई।

लगभग 14 वीं 16 वीं सदी के आसपास पुनर्जागरण काल में समाज में मनुष्य के शरीर, शरीर विज्ञान, शारीरिक प्रशिक्षण में रुचियां पैदा हुईं। पुस्तकें लिखीं गईं, स्कूल खुले मिस्र के साथ साथ स्पेन, जर्मनी, इंग्लैंड, आदि में भी इस अवधारणा की दिशा में अध्ययन और उपाय आगे बढ़ते गए। सन 1796 में पहली आधुनिक फिटनेस मशीन का आविष्कार हो गया। वजन आधारित और ताकत उन्मुख जिमों में व्यक्ति की बलिष्ठता और तंदुरुस्ती को केंद्र में रखते हुए बीसवीं सदी में तो फिर फिटनेस उपकरणों का उपयोग बढ़ता ही चला गया।

घुमक्कड़ों के यूट्यूब वीडियो देखते हुए हमने यह भी देखा कि बहुत से ट्रेवलर आधुनिक जिम में जाकर कसरत करते हैं, अपना पसीना बहाते हैं। लेकिन जिन लोगों को हमने प्रायः ऐसा करते देखा उनमें हरियाणा के परमवीर सिंह बेनीवाल ने हमे बहुत प्रभावित किया।

पैसेंजर परमवीर नाम से वे अपने ट्रेवल वीडियो बनाते हैं। लगभग सौ देशों में पर्यटन कर चुके हैं। छब्बीस सताइस वर्ष के युवा हैं, ऊंची कद काठी है, देखने से ही बॉडी बिल्डर लगते हैं। समझदार हैं और घुम्मकड़ी के जुनून में ज्यादातर जोखिम वाली जगहों की यात्रा करने में इन्हे बहुत आनंद आता है। अफ्रीका और लेटिन अमेरिका के कुछ खतरनाक इलाकों और देशों के अलावा सीरिया, इसराइल, फिलिस्तीन, गाजा, यूक्रेन, सोमालिया आदि जैसे देशों में जहां की कई तस्वीरें हम जैसे दर्शकों को विचलित कर देती हैं, वहां भी हर स्थिति में हमे उनका उत्साह और मुस्कुराहट कम होती दिखाई नहीं देती। हमारे लिए विडियो बनाते हैं और अखबारों में पढ़ी खबरों को स्क्रीन पर हमारे लिए जीवंत कर देते हैं। हाल ही में म्यांमार की उन्होंने रोमांचक यात्रा की है।

बहरहाल, यहां हम उनकी ब्लागिंग की बजाए उनके वर्क आउट याने कसरत के प्रति गहन लगाव की चर्चा करना चाहते हैं। परमवीर ऐसे ट्रेवलर हैं जिनके लिए जिम जाए बगैर ट्रेवलिंग को आगे बढ़ाना शायद संभव ही नहीं है। अजनबी शहर में भी वे कसरत के लिए जिम खोजते रहते हैं। इसके लिए खर्च की वे परवाह भी नहीं करते। जिम भले कितनी ही दूर हो, टैक्सी का ज्यादा किराया देना पड़े, लंबी पैदल दूरी तय करना पड़े, वे जिम पहुंच ही जाते हैं और भारी शुल्क चुकाकर भी अपना पसीना बहा आते हैं। अपनी फिटनेस के प्रति उनकी यह चेतना सचमुच प्रेरक है।

परमवीर सिंह को यदि कहीं आधुनिक जिम नहीं मिल पाता तो उन्हे सड़क किनारे के या जुगाड के जिम के साधनों का उपयोग करने में कोई गुरेज नहीं होता। उद्देश्य यही रहता है कि कोई दिन बिना व्यायाम किए नहीं गुजरे। जिस दिन वे कसरत नहीं कर पाते उनके चेहरे की उदासी वीडियो में भी नजर आ ही जाती है।

यदि भारत के संदर्भ में फिटनेस के इतिहास और वर्तमान की बात करें तो यहां की धार्मिक सांस्कृतिक मान्यताओं ने हमेशा से आध्यात्मिकता पर जोर दिया। हमारे यहां फिटनेस की यात्रा मन से शरीर की ओर रही है। पहले मन फिर तन की स्वस्थता। हालाँकि, चीनी कांग फू जिम्नास्टिक के समान एक व्यायाम कार्यक्रम विकसित हुआ, जो सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुरूप था, जिसे योग के रूप में जाना जाता है। माना जाता है योग कम से कम पिछले 5000 वर्षों से अस्तित्व में है। योग का अर्थ है मिलन, और यह भारतीय दर्शन की क्लासिक प्रणालियों में से एक को संदर्भित करता है जो शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने और व्यक्तिगत रूप से विकसित करने का प्रयास करता है। योग मूल रूप से धर्माचार्यों द्वारा विकसित किया गया था जो अनुशासन और ध्यान की विशेषता वाली मितव्ययी जीवन शैली जीते थे। विभिन्न जीवों की गतिविधियों और पैटर्न को देखने और अनुकरण से, योगाचार्यों को प्रकृति के साथ वही संतुलन हासिल करने की उम्मीद थी जो अन्य प्राणियों के पास था। योग का यह पहलू , हठ योग के रूप में जाना जाता है। प्रकृति के साथ संतुलन के अलावा, प्राचीन भारतीय दार्शनिकों ने उचित अंग कार्य और संपूर्ण कल्याण सहित योग के स्वास्थ्य लाभों को मान्यता दी। इन स्वास्थ्य लाभों को आधुनिक संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अन्य कई देशों में भी स्वीकार किया गया है। वहां भी बड़ी संख्या में लोग नियमित रूप से योग में भाग लेते रहते हैं। भारत सरकार ने 21 जून का दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया है। जो विश्व में प्रतिवर्ष स्वास्थ्य चेतना में भारतीय योग के महत्व और योगदान को रेखांकित करता है।

भारत में स्वास्थ्य के प्रति अब आम लोगों में काफी जागरूकता दिखाई देती है। हर व्यक्ति अपनी फिटनेस के लिए उपाय करता नजर आता है। महंगे और आधुनिक साधनों वाले महंगे जिमों के अलावा कस्बों, शहरों में कॉलोनी के पार्कों में सामुदायिक फिटनेस क्लब और योग केंद्र संचालित हैं। लोग जुटते हैं और अपने तन और मन की फिटनेस के लिए पसीना बहाते नजर आते हैं।

मुद्दा

डॉ. ज्योति सिडाना

अगले जन्म मोहे बिटिया ही कीजो

पंडित जवाहर लाल नेहरु ने कहा था कि किसी भी देश की स्थिति उस देश की महिलाओं की स्थिति को देखकर ज्ञात की जा सकती है. यदि इस तर्क को सही माना जाए तो फिर कैसे हम दावा कर सकते हैं कि हम देश की चौथी सबसे बडी अर्थव्यवस्था हैं. जिस देश की आधी आबादी प्रतिदिन बलात्कार, हिंसा, यौन शोषण, तेजाब हमला, दहेज़ हत्या जैसी घटनाओं का दंश झेलती हो उस देश की स्थिति क्या होगी यह बताने की जरुरत नहीं है. अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाने या महिला सशक्तीकरण का उद्घोष करने से ही अगर महिलाओं की स्थिति में बदलाव लाया जा सकता तो अब तक आ चुका होता. एक लेखिका ने लिखा भी है दरअसल सवाल यहाँ महिला सशक्तीकरण का है ही नहीं, उन्हें मजबूत या सशक्त बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि वे तो पहले से ही मजबूत हैं। जरुरत है दुनिया द्वारा महिलाओं की ताकत को देखने के नजरिए को बदलने की। सच ही तो है अगर पुरुष समाज महिलाओं को देखने का नजरिया बदल ले तो समस्या ही समाप्त हो जाएगी. एक इंसान (पुरुष) को दूसरे इंसान (महिला) के जीवन को निर्धारित करने या निर्देशित करने का अधिकार किसने दिया. ना तो ऐसा किसी भी देश के संविधान में लिखा है और ना ही किन्ही धार्मिक पुस्तकों में वर्णित है. प्रसिद्ध लेखिका सीमेन द बुआ ने सही ही लिखा था कि महिला जन्म नहीं लेती अपितु बनायी जाती हैं. समाज की एक श्रेणी ने यह तय कर दिया कि महिला को क्या करना चाहिए क्या नहीं, उसका उठाना, बैठना, चलना, हँसना-रोना, पहनना यहाँ तक कि उसकी सम्पूर्ण जीवन शैली पुरुष ही तय करता आया है. इसलिए यह भी पुरुष समाज ही तय करता है कि महिला के साथ हुए दुष्कर्म के लिए महिला ही दोषी है जैसे उसके कपडे, उसकी स्वतंत्र अभिव्यक्ति, उसका सार्वजानिक स्पेस में बराबरी करना इत्यादि.

यहाँ एक बात से पुरुष समाज से सहमत हुआ जा सकता है कि महिला ही दोषी है दरअसल महिला का खुद को महिला स्वीकारना ही उसका दोष है. जब तक वह स्वयं खुद को इंसान का दर्जा नहीं देंगी तब तक उन्हें कमजोर, अबला, भोग्या, और सजावटी वस्तु के रूप में स्वीकार जाता रहेगा. अगर महिलाएं चाहती हैं कि वास्तव में उनकी स्वतंत्र पहचान हो, उनके प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित हो और समाज में बराबरी का दर्जा मिले तो उन्हें यह समझना होगा कि उनके पास वह सब कुछ है जिसकी उन्हें ज़रूरत है मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक शक्ति। यह तो पुरुषसत्तात्मक समाज है जो उन्हें यकीन दिलाता आया है कि महिला कमजोर है, गैर-तार्किक है और निर्णय लेने में असमर्थ है। 21वीं सदी में जबकि इंसान तकनीकी मानव (रोबोट) को इंसान के रूप में स्वीकारने लगा है अफ़सोस महिला को इंसान के रूप में स्वीकार नहीं कर पा रहा है. आज भी लगभग हर पुरुष स्वयं को श्रेष्ठ और बहन, बेटी, माँ, पत्नी को अपने से निम्न और कमजोर मानता है.यही कारण है कि पुरुष वर्ग अपनी निराशा, असफलता, कुंठा, तनाव, क्रोध सब कुछ महिला पर निकालता है कभी उसके साथ हिंसा करके, कभी उसका शारीरिक शोषण व जबरदस्ती करके, कभी उसकी हत्या करके और तो

और कभी उसके चरित्र पर ऊँगली उठाकर. और वे यह मानकर चलते हैं कि ऐसा करना उनका नैतिक कर्तव्य है क्योंकि समाज-धर्म और संस्कृति उनके इस व्यवहार को वैधता प्रदान करती है.

अभी कोलकाता और बलिया जिले में लड़कियों से बलात्कार करने और हत्या करने का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में 3 और 4 साल की दो मासूम बच्चियों के यौन शोषण और पालघर जिले में एक नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया. बलिया के एक और गाँव में सगे एक चाचा ने घर में सो रही बच्ची के साथ दुष्कर्म किया. अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चे की बेहरमी से हत्या कर दी. इसके बाद दोनों की तस्वीर एक वॉट्सएप ग्रुप में शेयर की. मध्य प्रदेश के ग्वालियर में पत्नी के ज्यादा पैसे खर्च करने से परेशान पति ने अपने ही दोस्तों को ढाई लाख रुपये सुपारी देकर पत्नी की हत्या करवा दी. उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में नौ साल की मासूम बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले युवक द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया.राजस्थान के नागौर में पत्नी अपनी बहन के घर जाने लगी तो इससे नाराज होकर पति बीच सड़क पत्नी को मोटरसाइकिल के पीछे बांधकर घसीटते हुए घर ले आया. यह वो चंद घटनाएँ हैं जो इसी माह में यानी हाल के ही कुछ दिनों में घटित हुई हैं सालों और दशकों में कितनी घटनाएँ हुई होंगी अंदाजा लगाना मुश्किल है. लेकिन इतना अंदाजा तो लगया ही जा सकता है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक कल्याणकारी राष्ट्र में अगर ऐसी घटनाए सामान्य बात है तो फिर विश्व के अनेक गैर-लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं की क्या स्थिति होगी सोचने का विषय है.

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसारभारत में 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4,45,256 केस दर्ज हैं। हर एक घंटे 51 एफआईआर दर्ज की जाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 4,28,278 और 2020 में 3,71,503 से अधिक मामले दर्ज किए गए। एनसीआरबी की वार्षिक अपराध रिपोर्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि प्रति लाख आबादी पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 66.4 थी, जबकि ऐसे मामलों में आरोप पत्र दाखिल करने की दर 75.8 थी।और यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ ज्यादातर अपराध पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता (31.4 प्रतिशत) के थे,फिर महिलाओं का अपहरण (19.2 प्रतिशत), महिलाओं पर उनकी नम्रता को भंग करने के इरादे से हमला (18.7 प्रतिशत) और दुष्कर्म (7.1 प्रतिशत) के मामले शामिल हैं। आश्चर्यजनक है कि आधी आबादी का यह सच किसी के लिए भी मायने क्यों नहीं रखता और तो और खुद महिलाओं के लिए भी क्या इन आंकड़ों ने कोई हलचल उत्पन्न की संभवतः नहीं. कितना दोगला समाज है यहाँ लोगों को भावनाएं और प्यार तो चाहिए लेकिन अपनी शर्तों पर.

अब जरुरत है समाज में एक बड़े बदलाव की. ऐसा कोई काम या ज्ञान नहीं है जो महिलाएं सीख नहीं सकती जो आप नहीं जानती उससे घबराएँ नहीं। बल्कि उसे सीखने का प्रयास करें हाँ आपका काम करने का तरीका अलग हो सकता है जो आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। सबसे पहले खुद पर विश्वास रखना सींखे, खुद को सम्मान दे और अपने द्वारा किये गए कामों का श्रेय खुद लेना सीखे, अपने स्वास्थ्य को भी उतना महत्व दे जितना परिवार के बाकी सदस्यों को देती हैं.अपने फैसले खुद लेने का प्रयास करे और अपमान या शोषण होने पर परिणाम की चिंता किये बिना निडर होकर आवाज उठाएँ. शर्म औरत का गहना है, बेटी परिवार की इज्जत है, लड़कियों का अपना कोई घर नहीं होता इन दकियानूसी बातों से बाहर निकल कर खुद के अस्तित्व के खड़ा होना होगा तभी बहन, बेटी, और पत्नी खुद की सुरक्षा की जमीन तैयार कर पाएंगी. सच ही लिखा है किसी ने ....

अब तराशने दो मुझे खुद को अपने तरीके से, तुम्हारे तौर तरीकों ने तो मुझे चूर-चूर ही किया है.

सुदूर गांवों में भी तैयार हो रहे 'बाल वैज्ञानिक'

एकलव्य फाउंडेशन और मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की संयुक्त पहल के चलते पिछले तीन साल से नर्मदापुरम जिले के केसला विकासखंड में विज्ञान शिक्षा की स्थिति को मज़बूत करने का काम शुरू हुआ है। इस काम में जिला प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिला हुआ है। पहले स्कूल के समय के बाहर बच्चों के साथ जो सीखने-सिखाने का काम होता था, वह इस अकादमिक सत्र में प्रशासन की मदद से स्कूल के समय में ही हो पा रहा है। केसला के 12 गांवों में सप्ताह के तीन दिन कक्षा 6 से 8 के बच्चे एकलव्य टीम के सदस्यों की मदद से विज्ञान के प्रयोग करते हैं, विज्ञान के तरीकों से सवालों की जांच-पड़ताल करते हैं और विज्ञान के मज़ेदार मॉडल और खिलौने बनाते हैं। विज्ञान के शिक्षक भी इस काम में यथासंभव जुड़ रहे हैं जिनके लिए समय-समय पर एकलव्य टीम प्रशिक्षण भी आयोजित करती है।

शिक्षा की वैयक्तिक विकास और सामाजिक बदलाव में अहम भूमिका है। 21वीं सदी में जिंदगी के हर क्षेत्र में विज्ञान की दखल बढ़ी है। बुनियादी वैज्ञानिक साक्षरता और वैज्ञानिक मानसिकता सभी बच्चों के लिए ज़रूरी है चाहे वे आगे जाकर विज्ञान की पढ़ाई करना चाहें या किसी वजह से दसवीं के बाद विज्ञान की पढ़ाई जारी ना रख पाएं। नई शिक्षा नीति में भी विज्ञान शिक्षा को काफी महत्व दिया गया है। जहां शहरों में STEM शिक्षा ने ज़ोर पकड़ा है और बच्चों को नए-नए अवसर देने के प्रयास हो रहे हैं, ग्रामीण अंचल में, विशेषकर आदिवासी गांवों में, विज्ञान शिक्षा की हालत काफी दयनीय है।

एकलव्य फाउंडेशन और मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की संयुक्त पहल के चलते पिछले तीन साल से नर्मदापुरम जिले के केसला विकासखंड में विज्ञान शिक्षा की स्थिति को मज़बूत करने का काम शुरू हुआ है। इस काम में जिला प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिला हुआ है। पहले स्कूल के समय के बाहर बच्चों के साथ जो सीखने-सिखाने का काम होता था, वह इस अकादमिक सत्र में प्रशासन की मदद से स्कूल के समय में ही हो पा रहा है। केसला के 12 गांवों में सप्ताह के तीन दिन कक्षा 6 से 8 के बच्चे एकलव्य टीम के सदस्यों की मदद से विज्ञान के प्रयोग करते हैं, विज्ञान के तरीकों से सवालों की जांच-पड़ताल करते हैं और विज्ञान के मज़ेदार मॉडल और खिलौने बनाते हैं। विज्ञान के शिक्षक भी इस काम में यथासंभव जुड़ रहे हैं जिनके लिए समय-समय पर एकलव्य टीम प्रशिक्षण भी आयोजित करती है। विज्ञान सीखने-सिखाने का यह अनुभव बोर्ड पर प्रश्नोत्तर लिख कर विषय की पढ़ाई करने से कहीं अलग है। इसे बच्चे भी स्वीकारते हैं और शिक्षक भी, जिनका मनोबल भी इस पहल के चलते बढ़ा है। एकलव्य संस्था ने इन गांवों की माध्यमिक शालाओं में पर्याप्त संख्या में विज्ञान किट उपलब्ध कराई है ताकि सभी बच्चे प्रयोग

करके विज्ञान सीख सकें। विज्ञान से जुड़ी करीब 100 किताबें भी स्कूलों में दी गई हैं ताकि बच्चों में विज्ञान के प्रति रूझान बने।

इसी पहल के तहत पिछले कुछ महीनों से स्कूल परिसर में विज्ञान मेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। बच्चे जो प्रयोग कर चुके होते हैं, उसी समझ को उन्हें विज्ञान मेले में बाकी लोगों के सामने रखना होता है। इससे उनका आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, स्कूल और समुदाय के बीच की कड़ी भी मजबूत होती है। विज्ञान मेलों में पालकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता है कि वे स्कूल आकर अपने बच्चों के काम को देखें, सराहें और समुदाय में भी विज्ञान को लेकर जागरूकता बढ़े।

14 सितंबर को केसला विकासखंड के डांडीवाड़ा गांव में ऐसे ही एक विज्ञान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने विज्ञान की कुछ जटिल अवधारणाओं को बेहद सरल प्रयोगों के ज़रिए लोगों को समझाया। चाहे वह भोजन के पाचन से जुड़े सवाल हों या विद्युत प्रवाह के, या फिर पानी के पृष्ठ तनाव और ससंजन और आसंजन बल से जुड़े कुछ मज़ेदार प्रयोग- जो लोग भी मेले में शामिल हुए, उन्होंने विज्ञान का एक अनुभव लिया और बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया।

इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर मध्य प्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद के प्रतिनिधि के तौर पर विकास शेंडे और डॉ सुनील गर्ग, तथा एकलव्य फाउंडेशन के वरिष्ठ साथी मनोज निगम शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजन में शाला प्रभारी गीता बारसे का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने बच्चों को एकलव्य की बाल विज्ञान पत्रिका 'चकमक' और कहानियों की एक छोटी पुस्तिका उपहार में दी और उनको आगे भी विज्ञान की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में एकलव्य की स्थानीय विज्ञान टीम के सभी साथी भी उपस्थित रहे। इसके पहले केसला के मांदीखोह, चाटुआ, कोटमीमाल, भड़गदा, रैसलपाठा गांव में भी विज्ञान मेलों का आयोजन हुआ है।

श्री जलाराम गणेश उत्सव मंडल में रक्तदान शिविर संपन्न

135 रक्तदाताओं ने किया रक्त का दान

बैतूल/मुलताई। मुलताई क्षेत्र में श्री जलाराम गणेश उत्सव मंडल धार्मिक आयोजन के साथ ही सामाजिक कार्यों के लिए भी जाना जाता है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मुलताई के नागपुर रोड पर जलाराम मंदिर गणेश उत्सव मंडल द्वारा रक्तदान

शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 135 रक्तदाताओं ने अपने रक्त का दान किया। जिला स्वास्थ्य केंद्र बैतूल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई के सहयोग से आयोजित इस रक्तदान शिविर में नगर के अनेक प्रमुख व्यक्ति डॉक्टर अंकुश भार्गव, डॉ. प्रगति भार्गव, नमन अग्रवाल स्थानीय पत्रकार एवं अनेक प्रमुख लोगों ने अपने रक्त का दान देने के साथ ही लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता नमन अग्रवाल बताते हैं दुर्घटनाओं में होने वाले मौतो मे एक कारण रक्त का उपलब्ध न होना भी शामिल होता है हम रक्तदान कर एक जिंदगी के साथ एक परिवार की खुशियां लौट सकते हैं इसी उद्देश्य को लेकर हमारा मंडल श्री जलाराम गणेश उत्सव मंडल प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन करता आ रहा है। और रक्तदान शिविर का मंडल में यह आठवां वर्ष है।

जिला स्वास्थ्य केंद्र एवं मुलताई स्वास्थ्य केंद्र संयुक्त टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका- मुलताई नगर में अब तक के सबसे बड़े रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में जिला स्वास्थ्य केंद्र से मुलताई पहुंची स्वास्थ्य टीम में शामिल राजेश बोरखड़े ,मूरत उइके, लोकेश पाटिल, पंजाब राव गायकवाड, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई से डॉ. विवेक बारस्कर,नीरज हजारे नर्सिंग ऑफिसर , अजय कुमार पांडे टेक्नीशियन की भूमिका महत्वपूर्ण नहीं जलाराम गणेश उत्सव मंडल के सदस्यों ने सभी का सम्मान किया और मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री जलाराम गणेश उत्सव मंडल में प्रतिवर्ष धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है जिसके तहत सोमवार को बच्चों के द्वारा आयोजित व्यंजनों की बगिया का आयोजन किया गया है। आयोजन कर्ताओं के अनुसार प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी बच्चों के साथ मिलकर के भव्य आनंद मेले का आयोजन किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन ठेकेदार ने खोद दी सड़क, तोड़ दी पाइप लाइन

चंदोरा ग्राम के ग्रामीणों में रोष

बैतूल/मुलताई। जल जीवन मिशन के ठेकेदार ने मुलताई क्षेत्र के ग्राम पंचायत चंदोरा खुर्द में पाइपलाइन बिछाने के नाम पर बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिए हैं जिससे नागरिकों का चलना दूभर हो गया है, दूसरी ओर ग्राम में पेयजल आपूर्ति करने वाली पुरानी पाइपलाइन भी तोड़ दी गई, जिसके कारण पेयजल आपूर्ति भी ठप हो गई है। जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी रोष है, जिसको लेकर आज बड़ी संख्या में ग्रामीण ग्राम पंचायत में अपना विरोध जताया और और शीघ्र ग्राम की पेयजल आपूर्ति बहाल करने और ठेकेदारी खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम चंदोरा खुर्द में जल जीवन मिशन के ठेकेदार द्वारा गांव में पाइपलाइन बिछाई गई, लेकिन इसके लिए गांव की पक्की कंक्रीट सड़कों को जेसीबी मशीन से तोड़ दिया गया और गांव की पुरानी बिछी पाइप लाइन भी तोड़ दी गई। अब ग्रामीणों को पैदल चलने में भी समस्या हो रही है, वहीं इन सड़कों से वाहनों का निकल पाना भी मुश्किल हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले से बिछी हुई पाइप लाइन भी तोड़ दी गई है जिससे पेयजल सप्लाई नहीं हो पा रही है और बारिश के दिनों में भी पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। वही पंचायत द्वारा पाइप लाइन के सुधार कार्य के लिए खोदे गए गड्ढे भी खुले ही छोड़ दिए गए गई जिससे यहां से गुजरने वाले लोग हादसे का शिकार हो रहे है, बारिश से इन गड्ढों में पानी भरा जाता है जिसके आसपास बच्चे खेलते हुए चले जाते है। जिसके चलते लोगों में डर बना हुआ है। ग्रामीण गोपीचंद बुआडे, लखन बुआडे, प्रदीप डहारे, अमर सिंह बुआडे, पवन देशमुख मोतीराम बुआडे, अनिल व दिनेश ओमकार, कमल बाई, मुन्नी बाई देशमुख आदि का कहना है कि जल्द से जल्द खोदी गई सड़क और तोड़ी गई पाइपलाइन को ठीक कराया जाए, साथ ही ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही भी की जाए।

75 वर्षो से निरंतर डोल ग्यारस पर निकल रही शोभायात्रा

बैतूल। डोल ग्यारस को बैतूल के श्री राधाकृष्ण मंदिर गंज व श्री राम मंदिर रामनगर द्वारा प्रमुख मार्गो से निकाले भगवान श्रीकृष्ण के डोल की शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा, पूजन व आरती करके भव्य स्वागत हुआ। शोभायात्रा में पंडित नरेश शर्मा, नितिन शर्मा (पप्पू महाराज) राकेश मौर्य, योगु महाराज आदि ने गोविंदा आला रे आला जरा मटकी संभाल ब्रज बाला, श्याम मेरे आजा रे और शोर मच गया शोर देखो आया माखन चोर जैसे एक से बढ़कर एक भजन-कीर्तन की प्रस्तुति दी। मंदिर ट्रस्ट के सचिव प्रमोद अग्रवाल ने बताया कि लगभग 75 वर्ष पूर्व किशनलाल शर्मा, राधे महाराज, लल्लू भार्गव, दुलीचंद पालीवाल आदि श्रीकृष्ण भक्तों द्वारा शुरू की गई यह शोभायात्रा परंपरागत रूप से आज तक निरंतर निकाली जा रही है और आगे भी जारी रहेगी।

नेशनल लोक अदालत में 773 लंबित प्रकरणों का किया निराकरण

8 करोड़ 90 लाख 88 हजार 894 के अवॉर्ड हुए पारित

बैतूल। बैतूल मुख्यालय तथा जिले की तहसील अंतर्गत सिविल न्यायालय आमला, भैंसदेही तथा मुलताई में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण द्वारा किया गया। नेशनल लोक अदालत में जिले में सिविल प्रकरण 08, आपराधिक प्रकरण 255, चेक बाउंस के 157 मोटर दुर्घटना 71, वैवाहिक प्रकरण 64, बैंक वासुली 08, विद्युत अधिनियम 97, अन्य प्रकरण 113 इस प्रकार न्यायालय में लंबित कुल 773 प्रकरणों में राजीनामा द्वारा निराकरण किया गया तथा 8 करोड़ 90 लाख

88 हजार 894 का अवार्ड पारित किया गया। मोटरयान दुर्घटना के कुल 71 प्रकरणों में 4 करोड़ 10 लाख 59 हजार 500 के अवार्ड पारित किए गए। इसी प्रकार चेक बाउंस के 157 प्रकरणों में 2 करोड़ 66 लाख 86 हजार 367 का समझौता हुआ।

राजीनामा करने वाले पक्षकारों को किया पौधा भेंट

नेशनल लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन में से बैंक ऋण के 41 विद्युत के बकाया बिल 1243, जलकर 194 एवं संपत्ति कर के 91 प्रकरणों का प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का राजीनामा द्वारा निराकरण किया गया। राजीनामा करने वाले पक्षकारों को पौधे का वितरण किया गया। पक्षकारों की सुविधा के लिये हेल्प डेस्क लगाया गया था, जिसमें पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा पक्षकारों को उनके प्रकरणों एवं अन्य समस्याओं के संबंध में सलाह एवं सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर नेशनल लोक अदालत प्रभारी व विशेष न्यायाधीश दिव्यांगना जोशी पांडे, सचिव डॉ. कु. महजबीन खान, जिला न्यायाधीश निहारिका सिंह, हेमंत कुमार यादव, आशीष टांकले, ज्ञानेश्वरी कुमरे, सीजेएम संगीता भारती राठौर, अन्य न्यायाधीशों जिला अधिवक्ता संघ के कार्यकारणीय सदस्य राजीव बघेल, पूर्व अध्यक्ष बी. के. पांडे, अधीक्षण यंत्री विद्युत विभाग विनोद भदौरिया एवं न्यायालय, बैंक, विद्युत विभाग, नगर पालिका आदि के कर्मचारी एवं पक्षकारगण एवं अन्य अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

शाहपुर में 1 करोड़ 2 लाख की विकास परियोजनाओं का हुआ भूमिपूजन

मुख्यमंत्री शहरी भू-अधिकार योजना के तहत किया पट्टा वितरण

केंद्रीय राज्य मंत्री सांसद डीडी उइके और विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके की उपस्थिति में हुआ मोक्षधाम और पार्क का भूमिपूजन

बैतूल। शाहपुर नगर परिषद के विजय भवन में रविवार को भूमि पूजन और पट्टा वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना (चतुर्थ चरण) के तहत मोक्षधाम, सामुदायिक भवन जीर्णोद्धार और पार्क निर्माण के लिए कुल 102 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इस अवसर पर कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, जिनमें अमृत 2.0 योजना के तहत 8.66 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पार्क का निर्माण भी शामिल है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद डीडी उइके (केंद्रीय राज्य मंत्री) और घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके ने भूमि पूजन के साथ-साथ मुख्यमंत्री शहरी भू-अधिकार योजना के अंतर्गत पट्टा वितरण किया। इस अवसर पर नगर परिषद शाहपुर के अध्यक्ष रोहित विक्की नायक और उपाध्यक्ष पम्मी छोटू राठौर ने विशेष भूमिका निभाई।

केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके ने अपने संबोधन में कहा कि शाहपुर के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार की ओर से हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी ताकि इस क्षेत्र के लोग बेहतर सुविधाओं का लाभ उठा सकें। विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि शाहपुर में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

नगर परिषद के पार्षदों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नगर परिषद शाहपुर के पार्षदों ने सामूहिक रूप से विकास कार्यों की प्राथमिकताओं और योजनाओं पर चर्चा की। रोहित विक्की नायक ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया और कहा कि शाहपुर को एक आधुनिक और सुव्यवस्थित शहर बनाने का सपना अब साकार होने जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद के अन्य प्रमुख पदाधिकारी और नागरिक भी उपस्थित थे।

धामनगांव में सागौन की अवैध चिरान पकड़ी, आरोपी फरार

भैंसदेही वनमंडल की कार्रवाई, सागौन की 12,500 की अवैध चिरान जब्त

बैतूल। वन विभाग ने धामनगांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रखी सागौन चिरान का बड़ा जखीरा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार 14 सितंबर को गश्त के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर डीएफओ विजयानन्थम टी.आर. के निर्देशन में यह छापामारी की गई। उप वनमंडलाधिकारी भैंसदेही देवानन्द पाण्डेय द्वारा जारी सर्च वारंट के तहत सावलमेंढा परिक्षेत्र के वन अधिकारियों ने ग्राम धामनगांव में विजय मालवीय के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान विजय मालवीय के घर से सागौन की 32 नग अवैध चिरान, 0.436 घन मीटर जब्त की गई। जब्त वनोपज की कीमत लगभग 12 हजार 500 रुपये आंकी गई है। आरोपी के विरुद्ध वन अपराध पंजीबद्ध किया गया है। हालांकि, आरोपी विजय मालवीय फिलहाल फरार है और उसकी तलाश के लिए वन विभाग द्वारा विभिन्न ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस सफल कार्रवाई में सावलमेंढा परिक्षेत्र के वन अधिकारी मानसिंग परते, परिक्षेत्र सहायक धाबा देवीराम उइके, वनरक्षक मनीष बारस्कर, सुरेश इवने, वासुदेव बारस्कर, मतिया धुर्वे, और वनमंडल स्तरीय उड़नदस्ता दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग लगातार क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और यह कार्रवाई इसी कड़ी का हिस्सा है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अवैध वनोपज की तस्करी रोकने के लिए आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि वन संपदा की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मंदसौर में बेसबॉल प्रतियोगिता में जौहर दिखाएगी बैतूल आदिवासी अंचल की छात्राएं

बैतूल। 32 वे राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता का आयोजन मंदसौर में 15 और 16 सितंबर को किया जा रहा है। आज बेसबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। और जो बच्चे खेल के साथ पढ़ाई को बैलेंस लेकर चलते हैं वह जीवन में उच्च शिखर को हासिल करते हैं। इसी तारतम्य में बैतूल से अंदर 17 बेसबॉल गर्ल्स की टीम मंदसौर के लिए रवाना हुई। बेसबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष योगी खंडेलवाल ने छात्राओं को टी शर्त वितरित कर और मेडल जीतकर आने के लिए आने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर फेडरेशन सचिव कैलाश वराठे, फेडरेशन संरक्षक तपन खंडेलवाल एवं फेडरेशन के सदस्य पीयूष भावसार, आदित्य भार्गव, चेतन खडसे, नीलम, नीतू खडसे पालकगण एवं छात्राएं आदि उपस्थित रही।

इंदौर के लोकपाल गौहर बने भोज केसरी, महू के ललित कौशल बने उपविजेता

पंछी ग्रुप ने किया महाराजा भोज केसरी दंगल का आयोजन

धार। सार्वजनिक श्री गणेश उत्सव समिति श्री भौज चौपाटी पंछी ग्रुप द्वारा 10 दिवसीय गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। उत्सव के तहत शाम के समय प्रतिदिन अतिथियों को आमंत्रित करवाकर बप्पा की आरती की जाकर प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। गणेशोत्सव के तहत गत दिवस पंछी ग्रुप द्वारा महाराजा भोज केसरी दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में धार के अलावा देपालपुर, सागर, महू, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर सहित अन्य जिलों के पहलवानों ने भाग लिया। आयोजन में प्रथम विजेता भोज केसरी पहलवान लोकपाल गौहर इंदौर एवं ललित कौशल पहलवान महू उपविजेता रहे। जिन्हें प्रथम पुरस्कार बंटी डोड द्वारा 11001 रूपए एवं द्वितीय पुरस्कार परशराम पटेल द्वारा 5001 रुपए दिए गए। धार रुस्तम स्वर्गीय रामचंद्र पहलवान की पुण्य स्मृति में दोनों पहलवान को डंके (गुज) भेंट किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता विश्वास पांडे, महेश राठौड़, बंटी डोड, सन्नी राठौड़ (विजय श्री), जसबीर सिंह छाबड़ा,

बाबूलाल गहलोत, शिव पटेल, हीरा मौर्य, श्याम बाबा, परसराम पटेल थे।

इनका रहा सहयोग- दंगल में पंछी ग्रुप के अध्यक्ष ओमप्रकाश नागर, प्रवीण पटेल, दिनेश डोड (दीनु) रवि नागर, राजेश बोड़ाने, संजू चौहान, टोनी देवड़ा, दीपक मौर्य, कमल पटेल, छगन परमार, भरत परमार, आशीष पिपलोदिया, अप्पू पलासिया, प्रेम नागर, अजय बिंजवा, अजय कौशल, अंकित चौहान, विनोद विरांग, सुभाष लववंशी, सुजल देवड़ा सोनू देवड़ा आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन दुलीचंद बानीवाल एवं अनिल गहलोत ने किया। आभार रवि नागर ने माना।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने योग किया ,सदस्यता जनजागरण साइकिल रैली में शामिल होकर पोहा और सब्जी दुकानदार से मिले

रात्रि विश्राम धार में कर,कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

धार। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा शनिवार की रात्रि में धार पहुंचे रविवार की सुबह संगठन पर्व भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया सुबह 6 बजे लालबाग उद्यान में योग कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए योग शिक्षक जगदीश शर्मा और रमेश कश्यप की टीम के साथ योग किया तथा सभी योग करने वाले को एप के माध्यम से भाजपा के सदस्यता दिलाई वहां से युवा मोर्चा द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान जनजागरण रैली में साइकिल पर सवार होकर त्रिमूर्ति चौराहे पर जिम पहुंचकर युवाओं को भाजपा विचारधारा से प्रेरित कर सदस्यता दिलाई तथा पोहा और सब्जी दुकानदारों को भी भाजपा से जोड़ा।

भाजपा कार्यकर्ता विवेक गौड़ के निवास और जिला कार्यालय भी पहुंचे वीडी शर्मा- सुबह वीडी शर्मा प्रथम बार भाजपा जिला कार्यालय पर पहुंचकर कार्यालय का अवलोकन किया भाजपा कार्यकर्ता जिला सह कार्यालय मंत्री विवेक गौड़ के निवास पहुंचकर वीडी शर्मा ने चाय पीकर परिवार जनों से मुलाकात की इस दौरान संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,भाजपा नेता राकेश पटेल, संजय बघेल कालीचरण सोनवानिया युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जय सूर्या,भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक लाखन सिंह नवासा तरुण सिसोदिया शिवराम कन्नौज देवेंद्र रावल कपिल यादव अजीत जैन शांतिलाल शर्मा देवांग पवार सहित भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

कानून और न्याय

न्यायपालिका सम्मेलन-1

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलीसीटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

पहली बार कानूनी ढांचे में बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव

प्रधानमंत्री ने कुछ दिन पहले राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जुबली समारोह की यात्रा को याद करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75 वर्षों की यात्रा न केवल एक संस्थान से जुड़ी है, बल्कि यह भारत के संविधान, इसके मूल्यों और भारत के लोकतंत्र के रूप में विकसित होने की यात्रा भी है। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा में संविधान निर्माताओं और पूरी न्यायिक प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के उन करोड़ों नागरिकों की भूमिका का भी उल्लेख किया, जिन्होंने इस न्यायिक प्रणाली को सौंपा।

हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जिला न्यायपालिका का एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने इस सम्मेलन का समापन किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के ध्वज और प्रतीक चिन्ह का अनावरण भी हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिला न्यायपालिका के 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। 'अवसंरचना और मानव संसाधन' पर सत्र का मकसद जिला न्यायपालिका के अवसंरचना और मानव पूंजी को बढ़ाने के तरीकों का पता लगाना था। 'सभी के लिए न्यायालय कक्ष के सत्र में जिला न्यायपालिका के भीतर पहुंच और समावेशिता की आवश्यकता और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए न्याय तक सुरक्षित और समान पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत पर प्रस्तुतियां और चर्चाएं भी इसमें शामिल थी। न्यायाधीशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं और कई कल्याण पहलों को दूर करने के लिए 'न्यायिक सुरक्षा और न्यायिक कल्याण पर भी चर्चा की गई।

दूसरे दिन मामलों को कुशलता से संभालने और लंबित मामलों में कमी लाने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए 'केस मैनेजमेंट पर एक सत्र आयोजित किया गया। न्यायाधीशों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए न्यायिक प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम और विधियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय समग्र रूप से जिला न्यायपालिका की

जरूरतों का समर्थन कैसे कर सकते हैं, इस पर चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मेलन ने अंतर को पाटना पर एक सत्र भी निर्धारित किया। इस सम्मेलन में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय के महासचिव के साथ उच्च न्यायालयों के महापंजीयक ने भी भाग लिया। इस सम्मेलन ने न्यायपालिका के भीतर सभी हितधारकों के लिए एक साथ आने और जिला न्यायपालिका के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सार्थक संवाद में शामिल होने का एक अमूल्य अवसर प्रस्तुत किया। साथ ही उद्देश्य और जिम्मेदारी की साझा भावना के साथ एकजुट होकर काम करके भविष्य में यह सम्मेलन यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि न्याय का वितरण समय पर, निष्पक्ष और सभी नागरिकों के लिए सुलभ हो। यह सम्मेलन देश में न्यायिक प्रशासन के भविष्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

प्रधानमंत्री ने कुछ दिन पहले राजस्थान उच्च न्यायालय के प्लेटिनम जुबली समारोह की यात्रा को याद करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75 वर्षों की यात्रा न केवल एक संस्थान से जुड़ी है, बल्कि यह भारत के संविधान, इसके मूल्यों और भारत के लोकतंत्र के रूप में विकसित होने की यात्रा भी है। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा में संविधान निर्माताओं और पूरी न्यायिक प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के उन करोड़ों नागरिकों की भूमिका का भी उल्लेख किया, जिन्होंने इस न्यायिक प्रणाली को सौंपा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लोगों ने कभी भी भारत के सर्वोच्च न्यायालय या न्यायपालिका के प्रति अविश्वास नहीं दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75 वर्षों की यात्रा लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को बढ़ावा देती है। यह सत्य मेव जयते, नानरितम की सांस्कृतिक घोषणा को मजबूत करता है। यह उल्लेख करते हुए कि राष्ट्र ने अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं और संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अवसर गर्व और प्रेरणा से भरा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि न्यायपालिका को हमारे लोकतंत्र का संरक्षक माना जाता है। इसे अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए, मोदी ने इस दिशा में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने में सर्वोच्च न्यायालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने आजादी के बाद से ही न्याय की भावना को बरकरार रखा और आपातकाल के संकट के समय में भी संविधान की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए न्यायपालिका की प्रशंसा की। उन्होंने आगे कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी मौलिक अधिकारों पर हमलों से सुरक्षा की और जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल उठा। न्यायपालिका ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए भारत की एकता और अखंडता की रक्षा की। इन सभी उपलब्धियों के लिए, प्रधानमंत्री ने इन यादगार 75 वर्षों के लिए न्यायपालिका के सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों को बधाई दी। न्याय की सुविधा के लिए पिछले दस वर्षों में किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने जिला स्तर पर अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया और सर्वोच्च न्यायालय और न्यायपालिका के योगदान पर प्रकाश डाला।

(शेष अगले कॉलम में)

आदिवासी ग्राम साकई में कमिश्नर ने भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, कृषि, आदि समस्याओं की ली जानकारी

सुबह सवेरे सोहागपुर

विगत दिवस जॉइंट कमिश्नर श्री दोहर ने विस्थापित आदिवासी के ग्राम साकी का भ्रमण किया। इस भ्रमण के समय उनके साथ तहसीलदार अल्का एक्का,सतपुड़ा टाइगर रिजर्व एसडीओ अंकित जामोद, वन सामान्य रचना शर्मा , सीईओ संजय अग्रवाल आदि अमला साथ था। ज्वाइंट कमिश्नर श्री दोपहर ने उपस्थित जनों से शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग सुविधा,बिजली ,कृषि कार्य ,सड़क आदि विषयों पर चर्चा की । आदिवासी ग्रामीणों ने बताया कि साकई से सुपलई मार्ग खराब है। इस कारण ग्रामवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। आपने संबंधित विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। इसी क्रम में ग्राम में आंगनबाड़ी न होने से छोटे बच्चों व गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच,डिलीवरी, टीकाकरण आदि में समस्याएं आने की बात कही। निर्धारित संख्या से कम बच्चे होने से प्रेषित प्रस्ताव स्वीकृति न होना बताया गया। वहीं किसानों ने खेती करने में बिजली की समस्या बाधक होना बताया। कहा कि इससे कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। आपने इस मामले में विधुत विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दक्षिण भारतीयों ने प्राचीन और पारंपरिक ओणम पर्व

आंगन में फूलों से रांगोली बनाकर मनाया...

नर्मदापुरम। ओणम पर्व दक्षिण भारत में केरल का सबसे प्राचीन और पारंपरिक उत्सव माना जाता है, इसे दस दिनों तक बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। ओणम पर्व के दौरान दक्षिण भारतीय आंगन को फूलों और रंगोली से सजाते हैं साथ ही भगवान विष्णु और बली महाराज की विधि विधान से पूजा की जाती है।

वैसे यह पर्व नई फसल की अच्छी उपज की खुशी में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन राजा बली पाताल लोक से धरती पर अपनी प्रजा को आशीर्वाद देने के लिए आते हैं, इस खुशी में यह त्योहार मनाया जाता है और उनके स्वागत में घरों में साफ सफाई कर अच्छे से सजाया जाता है। मान्यता यह भी है कि इस दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था। इस पर्व के लिए विशेष रूप से ओणम साद्य यानी जिसका मलयालम में अर्थ होता है 'भोज'। इसमें शाकाहारी भोजन बनाएं जाते हैं। इसमें केले के पत्ते पर 24 व्यंजन होते हैं, उसके साथ यह खास पर्व मनाया जाता है। नगर में दक्षिण भारतीय परिवार के लोगों ने आज अपने अपने घरों के आंगन में फूलों की रगोली बनाकर उत्सव मनाया।

भाजपा सदस्यता अभियान में मप्र को देश में अव्वल बनाना है : प्रदेश अध्यक्ष वी.डी.शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सदस्यता अभियान को लेकर धार में प्रबुद्धजनों व मंडल पदाधिकारी सम्मलेन को संबोधित किया

धार। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा शनिवार को रात्रि में संगठन पर्व के तहत सदस्यता अभियान को गति देने हेतु धार पहुंचे। उन्होंने सदस्यता अभियान को लेकर आयोजित व्यवसायी एवं प्रबुद्धजन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि मध्य प्रदेश को देश में सदस्यता अभियान की उपलब्धि में अव्वल बनाए। इसमें मंडल पदाधिकारी शक्ति केन्द्र प्रभारी एवं संयोजक तथा बूथ अध्यक्षों व भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रबुद्धजन सदस्यता अभियान कार्यक्रम में संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रभु राठौर, विनोद शर्मा पूर्व मंत्री रंजना बघेल, राजवर्धन सिंह दत्तिगांव सहित पार्टी पदाधिकारी मंचासीन रहे।

मध्यप्रदेश में पहले नम्बर पर धार जिला आ सकता है- प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बताया कि भाजपा सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी होकर आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। प्रधानमंत्री मोदी नेतृत्व मे भाजपा सरकार मे अंत्योदय के कार्यो के साथ-साथ धारा 370, और तीन तलाक समाप्त कर हर वर्ग का कल्याण किया है। मध्य प्रदेश भी विकसित राज्य के रूप मे पहचाना जा रहा है, भाजपा का सदस्य बनकर सब उसे मजबूत करे। श्री शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने मे जन-जन का सहयोग आवश्यक है। इसलिए हर वर्ग भाजपा से जुड़े और सदस्यता अभियान को सफल बनाए।पिछली बार भी नंबर वन बने इस बार भी नंबर वन बनेंगे यह सामान्य बात नहीं है कि आज देश के 18 राज्यों में में भाजपा एवं भाजपा विचारधाराओं की सरकार है सदस्यता अभियान के माध्यम से सभी भाजपा से जुडकर देश को सशक्त बनाए। धार के लिए बड़े गर्व की बात है कि यहां संगठन शिल्पी पितृ पुरुष कुशाभाऊ ठाकरे जी की जन्मस्थली है जिन्होंने संगठन को गढ़ा है वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने थे जिन्होंने पूरे देश का नेतृत्व किया । यहां का संगठन अन्य जिलों से और अधिक मजबूत होना चाहिए एकात्मक मानववाद विचार को लेकर यह संगठन चलता है हम सब इस विचार परिवार के सदस्य हैं। देश में भाजपा सदस्यता अभियान का पिछला रिकार्ड 18 करोड़ का है। संगठन पर्व के माध्यम से इसे हम 28 करोड़ पार करेगे। कार्यक्रम के अंत में भाजपा नेता अशोक जैन निवास पहुंचकर भोजन किया परिवारजानो से भेट की।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, विधायक कालू सिंह ठाकुर,पूर्व विधायक वेल सिंह भूरिया, जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़,भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ शरद विजयवर्गीय नरेश राजपुरोहित, राजेश अग्रवाल, उमेश गुप्ता जिला पदाधिकारी विश्वास पांडे निलेश भारती, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, दीपक शर्मा,जीवन रघुवंशी विवेक गौड़ ,नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर, नितेश अग्रवाल, मोर्चा जिला अध्यक्ष में जय सूर्या पूनमचंद फकीरा बृजेंद्र सिंह चौहान सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता मंचासीन रहे।

धार में आईएचबी शिक्षा, अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी शिक्षा की शुरुआत

अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी एजुकेटर और आईएचबी इंडिया की डायरेक्टर उन्नति सिंह ने धार में दी जानकारी

धार। अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी एजुकेटर और आईएचबी इंडिया की डायरेक्टर उन्नति सिंह, ने धार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि धार में हमने आईएचबी शिक्षा, अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी शिक्षा की शुरुआत की है। युवा इस में अपने करियर को संवार सकते हैं, खासकर लड़कियां ब्यूटी, स्किन, मेकअप, हेयर आदि से जुड़े किसी भी क्षेत्र में करियर बना सकती हैं। आईएचबी और एकेडमी में क्या अंतर है? आईएचबी एक संपूर्ण पाठ्यक्रम है, जिसे सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है और यह ब्यूटी इंडस्ट्री को उन्नति देने के लिए बनाया गया है। भारत का पहला कॉलेज मध्य प्रदेश में आ रहा है जिसे पहले से ही सरकार द्वारा स्वीकृति मिल चुकी है और इसके लिए 50 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध है।

जो लोग इस इंडस्ट्री में आना चाहते हैं, उनके लिए दो प्रकार के कोर्स होते हैं: एक सर्टिफिकेट लेवल कोर्स, जो आपको जूनियर आर्टिस्ट बनाता है हेयरड्रेसिंग और ब्यूटी के क्षेत्र में , दूसरा डिप्लोमा कोर्स है, जिसमें ब्यूटी, स्किन, मेकअप आदि की पूरी शिक्षा दी जाती है। यहाँ पर हेयर कलरिंग, कटिंग और केमिकल जॉब्स भी सिखाए जाते हैं। धार में इसे नेहा मकवाना संचालित करेंगी, जो एक सर्टिफाइड ट्रेनर हैं। उन्होंने आईएचबी श्रीलंका के तहत ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम किया है। जो लोग विदेश जाना चाहते हैं, उन्हें हम इंटर्नशिप के लिए श्रीलंका भेज सकते हैं, जहाँ की शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त है। उन्हें सिर्फ यात्रा, खाना और आवास की व्यवस्था करनी होगी। जो लोग इस ब्यूटी इंडस्ट्री में अपना करियर बनाना चाहते हैं, वे आईएचबी शिक्षा धार में जॉइन कर सकते हैं। 125 त्रिमूर्ति नगर, धार में ऑरा इंटरनेशनल ब्यूटी एजुकेशन में संपर्क कर कोर्स में प्रवेश ले सकते है।

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र, छात्राओं ने भोपाल में एटीएल लेब इंटर स्टेट प्रतिस्पर्धा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

सुबह सवेरे सोहागपुर

सोहागपुर सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र, छात्राएं प्रतिस्पर्धा , खेलकूद प्रतियोगिता में नित्य नए आयाम रच रहे हैं । इसी क्रम में विधालय के छात्र, छात्राओं ने भोपाल के एल. ई. एस. पब्लिक स्कूल सीहोर रोड रातीबड़ में अटल टिंकरिंग लैब इंटर स्टेट प्रतिस्पर्धा में की सहभागिता निभाई। सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य अशोक कुमार दुबे ने बताया कि अटल टिंगरिंग लैब प्रतिस्पर्धा में भैया चन्द्र कुमार पटैल एवं भैया देवेंद्र साहू ने रोवो रेस में, तथा माडल प्रदर्शन में बहन अनामिका पटैल, बहिन मुस्कान पटैल, बहिन साक्षी उमरे ने सहभागिता कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है । प्रतिभागियों को भोपाल में प्रमाण पत्र अतिथियों ने प्रदान किए हैं। आपने भैया बहनों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने अटल टिंगरिंग लैब नित्य नवीन माडल एवं रोबोट कार्यप्रणाली के अध्यन हेतू सरस्वती शिशु मंदिर सोहागपुर को उपलब्ध कराई गई है।इस अटल टिंगरिंग लैब में अन्य शालाओं के छात्र छात्राओं के लिए भी सुविधा उपलब्ध है । समय-समय पर विभिन्न शालाओं के छात्र छात्राएं यहां अनुभव लेने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर अटल टिंगरिंग लैब में अपने शिक्षकों के साथ आते रहते हैं। ज्ञातव्य है । अटल टिंगरिंग लैब प्रभारी श्रीमती जूही शर्मा , सहायक दीदी दीपशिखा पुरोहित एवं सुश्री रूचि दुबे ने भी भोपाल में हुई प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम में सहभागिता निभाई थी।

इस्कॉन मंदिर में आज वामन द्वादशी धूमधाम से मनाया..

नर्मदापुरम। वैसे तो भगवान अवतार असंख्य है लेकिन श्रीमद् भागवतम् के अनुसार भगवान के मुख्य 21 अवतार बताएं उसमें एक वामन द्वादशी आज मंदिर परिवार ने धूमधाम से मनाई वैसे भी आज मंदिर में रविवारीय उत्सव का दिन था जिसमें वामन द्वादशी का आनंद द्विगुणित हो गया। मंदिर में कृष्ण भक्तों सहित वैष्णव भक्तों ने प्रतिदिन के भांति भगवान की प्रसन्नता के लिए सुबह पांच बजे मंगल आरती की जो मंदिर परिवार के मुखिया प्रणव दास प्रभु के नेतृत्व में सम्पन्न हुई इसके साथ ही भगवान नरसिंह देव आराधना और तुलसी आराधना प्रतिदिन के भांति सम्पन्न हुई। तत्पश्चात मंदिर में उपस्थित सभी भक्तों ने सामूहिक महामंत्र जाप किया। मंदिर मार्जिन के पश्चात सवा सात बजे दर्शन आरती और गुरु पूजा के बाद प्रवचन हुए इसके साथ ही सुबह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। फिर साढ़े ग्यारह बजे से दोपहर कार्यक्रम भजनों के साथ प्रारंभ हुआ ठीक साढ़े बारह बजे प्रणव दास प्रभु ने व्यास गादी से आज वामन द्वादशी को मनाया जाने पर आख्यान दिया। प्रभु जी ने श्रीमद् भागवतम् के छटवें अध्ययन के श्लोक संख्या का उल्लेख करते हुए प्रभु जी ने आज वैष्णव और कृष्ण भक्तों को वामन द्वादशी का वृत्तांत सुनाया, किस प्रकार महाराज बलि जिसका पूरे त्रिभुवन पर राज था उसके आतंक से भगवान विष्णु ने सभी को मुक्त कराया था। प्रभु जी ने बताया कि श्रीमद् भागवतम् के अनुसार भगवान के असंख्य अवतार हैं लेकिन उनमें 21 प्रमुख हैं। प्रभु जी ने कहा कि श्रीमद् भागवतम् के अनुसार केवल कृष्ण ही भगवान है बाकी उनके अंश अवतार बताया जिसमें पन्द्रहवां अवतार महाराज बलि के आतंक से त्रिभुवन को बचाने के लिए भगवान ने वामनावतार लिया। प्रभु जी ने बताया कि भगवान की लीलाओं में शिक्षा है। असुर बलि महाराज, प्रहलाद महाराज के पोते थे जो तीनों लोक के अधिपति थे और उनके गुरु शुक्राचार्य थे। उन्होंने बताया कि देवताओं के गुरु रहे शुक्राचार्य और गुरु बृहस्पति में मतभेद होने के कारण शुक्राचार्य असुरों के गुरु बन गये थे। प्रभु जी ने बताया कि कश्यप मुनि अदिति के पुत्र इंद्र देव, वामन देव जो उपेन्द्र कहलाएं ने महाराज बलि से तीन पग भूमि मांगी, इस पर शुक्राचार्य ने महाराज को चेताया कि महाराज ये विष्णु है तो तुम्हारा सर्वस्व ले लेंगे लेकिन महाराज बलि जो प्रहलाद महाराज के पोते थे असुर होने के बावजूद भक्त थे अतः उन्होंने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी और कहा अगर ये विष्णु है तो भी कोई नुकसान नहीं और उन्होंने तीन पग जमीन मांगी जिसमें एक पैर उपर आकाश, दूसरा पैर से नीचे पूरी पृथ्वी नाप दी फिर तीसरा पैर रखने के लिए परिहास किया तब बलि ने अपने सिर पर पैर रखकर भगवान वामनदेव ने उसे सुतल भेज दिया। प्रभु जी ने बताया कि अत्म निवेदन भक्ति में बलि महाराज का नाम लिया जाता है। जिन्होंने मालूम होने के बाद भी अपना सब-कुछ भगवान को दे दिया जिसमें अपना अहंकार भी छोड़ दिया। भगवान ने

इस लीला से शिक्षा दी गुरु की अवज्ञा करने से सब-कुछ सर्वनाश हो जाता है। महाराज बलि ने गुरु की अवग्या करते हैं अपने सिर पर पैर रखवा लिया उनकी दासता स्वीकार कर ली यहां वे सब-कुछ देकर अपमानित हुए लेकिन प्रति उत्तर में कुछ नहीं कहा। प्रभु जी ने बताया कि भगवान ने ऐसा क्यों किया भगवान इस लीला से दिखाना चाहते थे कैसे वे अपने भक्त का गुणगान किया जा सकता.. प्रभु जी ने बताया कि केवल बलि महाराज ऐसे भक्त हैं जिनके द्वारपाल बनकर भगवान उनकी रक्षा कर रहे।

पांच साल बाद पुलिस सब-इंस्पेक्टर की भर्ती, दौड़-कूद से अधिक लिखित परीक्षा के रहेंगे अंक

एसआई भर्ती प्रक्रिया नवंबर से शुरू होकर अगले वर्ष जून तक पूरी होगी

- पुलिस उप निरीक्षकों के 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया
- लिखित परीक्षा के अंकों को दी जाएगी प्राथमिकता
- शारीरिक दक्षता परीक्षा को 30-40 प्रतिशत अंक मिलेंगे

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में पुलिस उप निरीक्षकों के लगभग 500 पदों के लिए भर्ती में दौड़-कूद आदि (शारीरिक दक्षता परीक्षा) से अधिक अंक लिखित परीक्षा के रहेंगे। लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा और साक्षात्कार के अंकों को जोड़कर प्रावीण्य सूची बनाई जाएगी। कुल अंकों में से 10 से साढ़े 12 प्रतिशत तक साक्षात्कार के लिए रखने की तैयारी है। शारीरिक दक्षता परीक्षा के 30 से 40 प्रतिशत अंक होंगे।

गृह विभाग से अधिसूचना का इंतजार- भर्ती के लिए पुलिस मुख्यालय ने शासन को दोबारा प्रस्ताव भेज दया है। इसी वर्ष इसके पहले भी शासन को प्रस्ताव भेजा गया था, पर शासन ने कुछ स्पष्टीकरण मांगे थे। इसके बाद इसी माह संशोधित प्रस्ताव भेजा गया है। गृह विभाग से अधिसूचना जारी होने के बाद कर्मचारी चयन मंडल से भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

भर्ती प्रक्रिया में 5-6 माह लगेगा समय- हालांकि, अधिसूचना जारी होने के बाद भी भर्ती प्रक्रिया में पांच से छह माह लगना तय है। नवंबर से भर्ती प्रक्रिया शुरू होने की आशा है। ऐसे में अगले वर्ष जून तक ही नए उपनिरीक्षक मिल पाएंगे। सरकार की अधिसूचना में परीक्षा के प्रविधान के अतिरिक्त अन्य भर्ती नियमों का भी उल्लेख रहेगा। आयु सीमा, ऊंचाई, वजन और आरक्षण आदि के नियम शामिल होंगे।

पांच वर्ष बाद पुलिस उप निरीक्षकों की भर्ती

लगभग पांच वर्ष बाद पुलिस उप निरीक्षकों की भर्ती होने जा रही है। इन पदों के लिए लगभग डेढ़ लाख आवेदन आने की उम्मीद है। बता दें कि अभी जिला पुलिस बल और रेडियो मिलाकर लगभग 7300 पुलिस आरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। इसमें 50 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा और 50 प्रतिशत शारीरिक दक्षता परीक्षा के हैं। साक्षात्कार का प्रविधान नहीं रखा गया है।

भोपाल और हरदा में जारी है मिशन कवच

भोपाल (नप्र)। तिनका सामाजिक संस्था द्वारा खेल के माध्यम से निरंतर लैगिंक समानता लाने पर कार्य किया जा रहा है। बढती छेड़छाड़, बलात्कार,मर्डर ,अपरहण की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए तिनका एक और कराटे खेल के माध्यम से बालक बालिकाओं को शारीरिक रूप से मजबूत बना रहा है तो दूसरी और सेशन के माध्यम से मानसिक रूप से मजबूत भी बना रहा है तिनका सामाजिक संस्था के सचिव। मना मंडलेकर ने बताया की तिनका के 20 कवच और सक्षम फेलो हरदा और भोपाल के अलग अलग विद्यालय में जाकर बच्चों को सुरक्षित ओर असुरक्षित स्पर्श के बारे में बताएं इसी क्रम में तिनका सामाजिक संस्था के प्रशिक्षक राष्टीय स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी रोहित खराटकर और प्रशिक्षिका सलिना

कुमरे द्वारा एकेडमिक हाइट पब्लिक स्कूल टिमरनी में 687 बच्चों को सुरक्षित ओर असुरक्षित स्पर्श पर फिल्म दिखाकर जागरूक किया गया वहीं विकास वर्मा द्वारा झाड़बीड़ा स्कूल के साथ यह क्रम अभी जारी है। तिनका सामाजिक संस्था के अध्यक्ष रितेश तिवारी ने बताया कि हम तिनका परिवार का संकल्प है की हम मोमबत्ती नही जलाएंगे हम अपनी बेटियो को इतना सशक्त बनाएंगे की बह हर विपरीत परिस्थितियों से लड़ने में वह स्वयं सक्षम हो इस प्रशिक्षण को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती लवलीना, खेल प्रशिक्षक मोना खरे और समस्त शिक्षकों द्वारा तिनका सामाजिक संस्था के कार्य की प्रशंसा की है और आश्वासन दिया कि हम सप्ताह में एक दिन बच्चों को सुरक्षित व असुरक्षित स्पर्श पर जागरूक करेगे तिनका सामाजिक संस्था यह कार्य निःशुल्क कर रही है।

16 वोट से जीतीं पूर्व सरपंच की पत्नी सविता जाट

- भोपाल के रतुआ रतनपुर में सरपंच के लिए वोटों की गिनती पूरी; 1 घंटे में पूरी प्रक्रिया हो गई

भोपाल (नप्र)। भोपाल की ग्राम पंचायत रतुआ रतनपुर की नई सरपंच सविता जाट होंगी। रविवार सुबह हुई वोटों की गिनती में वे 16 वोटों से जीत गईं। उन्होंने दूसरे कैंडिडेट उधम सिंह को हराया। सविता पूर्व सरपंच जय सिंह जाट की पत्नी हैं। बीमारी के चलते जय सिंह की मौत हो गई थी। इसके चलते यहां सरपंच पद के लिए उप चुनाव हुए थे।

11 सितंबर को सरपंच पद के लिए वोटिंग हुई थी। कुल 2056 मतदाताओं में से 76.15 प्रतिशत ने वोट डाले थे। इस पंचायत के 3 में से 1 बूथ पर पहली बार पेपरलेस वोटिंग हुई। रिटर्निंग अधिकारी और बैरसिया तहसीलदार लाखन सिंह चौधरी ने बताया, दो कैंडिडेट सविता जाट और उधम सिंह थे। रविवार को बैरसिया में जनपद स्तर पर काउंटिंग और परिणाम की घोषणा की गई। सविता जाट को 780 और उधम सिंह को 764 वोट मिलें। इस तरह सविता 16 वोट से विजय हो गई। नोटा यानी, 'इनमें से कोई नहीं' को 18 वोट मिले।

यह फायदा

इस तकनीक से मतदाता की पहचान और कितने लोगों ने वोट डाला, इसकी जानकारी अब तकनीक से एक क्लिक पर मिल सकती है। पहले पोलिंग पार्टियों को अपनी रिपोर्ट मैनुअली देनी होती थी, लेकिन अब यह प्रक्रिया भी ऑनलाइन हो गई। भविष्य में केवल एक टैबलेट और पेन ड्राइव या हार्ड डिस्क दी जाएगी। चुनाव प्रक्रिया को एरर लेस और पेपर लेस करने के लिए देश में पहली बार ये प्रयोग किया गया।

पहली बार पेपरलेस वोटिंग, एक बूथ को चुना

देश में पहली बार पेपरलेस वोटिंग की शुरुआत भोपाल जिले की बैरसिया तहसील की रतुआ रतनपुर पंचायत से हुई। राज्य निर्वाचन आयोग ने रतनपुर पंचायत के एक बूथ को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना था। इसके तहत कुल 26 फॉर्मेट में से 2 फॉर्मेट को ऑनलाइन किया गया।

धार का रिश्वतखोर सीईओ, पुनासा घाट घोटाले का मास्टर माइंड

लोकायुक्त ने 25 हजार लेते दबोचा, खंडवा में उस पर 58 लाख की रिकवरी

खंडवा (नप्र)। शनिवार को इंदौर लोकायुक्त ने धार जिले की उमरबन जनपद पंचायत के सीईओ काशीराम कानूडे को 25 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा है। इससे पहले वह खंडवा में लंबे समय तक पदस्थ

रहा। पुनासा जनपद के बहुचर्चित घाट घोटाले का मास्टर माइंड रहा है। काशीराम पर घाट घोटाले में 58 लाख रूपए रिकवरी निकली हुई हैं। वह खंडवा में दो बार जनपद सीईओ पुनासा, छैगांवमाखन सहित एडिशनल सीईओ जिला पंचायत का जिम्मा भी संभाल चुका हैं।

शासन ने काशीराम के करप्शन पर एक्शन नहीं लिया

उमरबन में रिश्वतकांड से पहले काशीराम कानूडे ने पुनासा जनपद सीईओ रहते हुए घाट घोटाले को अंजाम दिया था। जांच के दौरान सामने आया था कि 62 पंचायतों में घाट निर्माण हुए है। इस घोटाले का मास्टर माइंड खुद सीईओ काशीराम था। इसीलिए जांच कमेटी ने उसके खिलाफ 58 लाख 64 हजार 838 रूपए की रिकवरी निकाली थी। उसने रिकवरी की राशि आज दिनांक तक जमा नहीं कराई है। इतने बड़े घोटाले में शासन ने कोई सख्ती नहीं बरती। ना काशीराम को निलंबित किया और ना ही उसके खिलाफ एफआईआर कराई। बल्कि इस बहुचर्चित घाट घोटाले में काशीराम ही मुख्य आरोपी था। उनके बाद सीईओ बनीं स्वर्णलता काजले भी घाट घोटाले में शामिल हो गई। जांच कमेटी ने स्वर्णलता काजले के विरूद्व भी एक लाख 40 हजार 794 रूपए की निकाली। इस रिकवरी आदेश को सालभर हो गया है। राशि जमा कराने के लिए 15 दिन की टाइमलाइन दी गई थी। मजे की बात यह है कि स्वर्णलता खंडवा जिले में ही छैगांवमाखन जनपद सीईओ के पद पर है। वहीं काशीराम कानूडे भी सीईओ रहते एक दिन पहले ही लोकायुक्त में ट्रेस हुआ हैं।

'सिम्पैथी बटोरने इस्तीफे का नाटक कर रहे केजरीवाल'

मंत्री राकेश सिंह ने कहा-जनता में फैली नकारात्मकता को वे समझ चुके हैं

भोपाल (नप्र)। शराब घोटाले के आरोपों में करीब 177 दिन जेल में रहने के बाद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जमानत पर बाहर आए हैं। उन्हें कोर्ट ने कई शर्तों के साथ जमानत दी है। शनिवार को केजरीवाल ने दो दिनों में दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है। केजरीवाल के इस्तीफे वाले बयान पर मप्र के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने इसे उनका प्रहसन यानि नाटक करना बताया है।

जनता में उनके प्रति नकारात्मकता को केजरीवाल समझ चुके हैं- भोपाल के निर्माण भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा- अरविंद केजरीवाल कब कौन सा प्रहशन करेंगे। यह केवल आप पार्टी और केजरीवाल ही जानती है। अब शायद उनके ध्यान में आया होगा कि जनता के बीच में उनके लेकर बहुत नकारात्मकता हो चुकी है। शराब घोटाले में भी बुरे तरीके से वह फंस चुके हैं।

शायद सहानुभूति लेने के लिए यह प्रहशन उनके द्वारा रचा है। अन्यथा, जेल जाने के बाद भी जब किसी के साथ भी ऐसी परिस्थितियां बनी हैं। तो उसने इस्तीफा दिया है। इतने दिनों तक जेल रहने के बावजूद जिस व्यक्ति ने इस्तीफा देना नहीं दिया। इस्तीफा देने की पेशकश भी नहीं की.. बल्कि कहा कि मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। वही व्यक्ति कहे अभी कि मैं 2 दिन के बाद इस्तीफा दूंगा। तो उसके पीछे कोई ना कोई सुनियोजित योजना है। जनता से सहानुभूति लेने का यह असफल प्रयास है।

सारे फैसले केजरीवाल ने लिए- राकेश सिंह ने कहा- अब उन्हें ये समझ आ चुका है कि जनता में उनको लेकर बहुत नकारात्मकता है। इसीलिए जनता के बीच में रो-गाकर कहते हैं वही अब वे जनता के बीच में जाकर बोलेंगे कि मुझे काम नहीं करने दिया जा रहा है। जबकि सभी फैसले उनके द्वारा ही लिए गए। शराब मामले में भी उनके द्वारा फैसला लिए गए... जो प्रहसन अन्ना जी के समय से लेकर अब तक का जो उनका वर्किंग पैटर्न है। उसे देखकर साफ समझ में आता है। कि वो इस तरह की परिस्थितियां पहले भी बनाते आए हैं और अभी भी बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आईजी अमरेश मिश्रा के जेल जाने का मुद्दा गरमाया

एसीबी और रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा का रायपुर केंद्रीय जेल जाकर कोल लेवी कांड के आरोपी सूर्यकांत तिवारी पर दबाव के आरोप का मसला गरमा गया है। सूर्यकांत ने इस बारे में कोर्ट को आवेदन दिया । कोर्ट ने सूर्यकांत के आवेदन पर सुनवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज और आगंतुक रजिस्टर को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई पांच दिसंबर को नियत है। जेल प्रशासन ने मान लिया है कि आईजी अमरेश मिश्रा आठ सितंबर को रायपुर केंद्रीय जेल आए थे। आठ सितंबर को रविवार था। छुट्टी के दिन आईजी के जेल जाने को कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुद्दा बना दिया है। भाजपा के कुछ नेता भी आईजी के जेल जाकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद आरोपी से मिलने को लेकर नाराज बताए जाते हैं। खबर है कि कुछ लोगों ने मामला कोर्ट पहुंचने से पहले सीसीटीवी फुटेज और आगंतुक रजिस्टर में दर्ज नाम को मैनेज करने की कोशिश की, लेकिन जेल प्रशासन ने हाथ खड़े कर दिए। कहते हैं इस मामले में जेल के एक बड़े अफसर ने सख्त रुख अपनाया। कहा जा रहा है कि ज्यूडिशियल कस्टडी में बंद आरोपी से कोर्ट की अनुमति के बगैर एक पुलिस आफिसर की मुलाक़ात से केस पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वैसे जेल प्रशासन का कहना है कि आईजी अमरेश मिश्रा जेल नियमावली के नियम 814 के तहत आए थे।

नए तेवर में विष्णुदेव साय

कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस के बहाने प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ नई छवि भी पेश की। मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में अफसरों को खरी-खरी सुनाई, साथ में आचार-व्यवहार को लेकर नसीहत भी दी। मुख्यमंत्री ने सीधे और सरल-सहज छवि को तोड़ते हुए आक्रामक होने की झलक भी पेश की। उन्होंने कलेक्टरों को अपने मातहतों को सुधारने से लेकर आम लोगों से अच्छे से पेश आने की नसीहत भी दी, तो स्कूलों की गुणवत्ता ठीक करने पर भी जोर दिया। एसपी को जुआ-सट्टा से लेकर कानून-व्यवस्था ठीक करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अच्छे काम करने वाले कलेक्टर-एसपी की तारीफ़ की तो व्यवस्था नहीं सुधारने और रिजल्ट नहीं देने वाले कलेक्टर-एसपी को साफ-साफ़ बोल भी दिया। मुख्यमंत्री ने ख़राब परफॉर्मेंस वाले कलेक्टर और एसपी पर गाज गिरानी भी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस खत्म होने के अगले दिन ही बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम के. और मुंगेली एसपी गिरिजाशंकर जायसवाल को हटाकर अपने नए तेवर का संकेत भी दे दिया।

निशाने पर मंत्री टंकराम वर्मा

पिछले दिनों हुए तहसीलदारों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों के तबादले को लेकर राज्य के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा निशाने पर आ गए हैं। 12 और 13 सितंबर को कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में भी राजस्व विभाग के मुद्दे छाए रहे। राजस्व विभाग के मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सख्त दिखे। कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में मुद्दा उठने के एक दिन बाद ही करीब 160 तहसीलदार, नायब तहसीलदार और आरआई के तबादला आदेश जारी हो गए। लोकसभा चुनाव के पहले भी करीब 150 तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के तबादले हुए थे,जिसे छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया था। तहसीलदार और नायब तहसीलदार इस बार भी कोर्ट जाने की तैयारी में हैं। कहते हैं कि 3-4 महीने के भीतर दूसरी बार तबादले से तहसीलदार और नायब तहसीलदार नाराज हैं और इसका ठीकरा राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा पर फोड़ रहे हैं। टंकराम वर्मा पहली बार विधायक और मंत्री बने हैं। अब देखते हैं तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का गुस्सा क्या रंग लाता है।

एसपी कांफ्रेंस में गृहमंत्री की अनुपस्थिति सुर्ख़ियों में

एसपी कांफ्रेंस में उपमुख्यमंत्री और गृह विभाग के प्रभारी विजय शर्मा की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गया है, साथ में कांग्रेस को एक मुद्दा भी मिल गया। भाजपा के लोग कह रहे हैं बाहर होने के कारण गृह मंत्री एसपी कांफ्रेंस में मौजूद नहीं थे, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का आरोप है कि उन्हें जानबूझकर एसपी कांफ्रेंस से दूर रखा गया। कारण कुछ भी हो एसपी कांफ्रेंस में गृह मंत्री की गैर हाजिरी राजनीतिक मुद्दा बन गया है। भाजपा सरकार के शुरूआती दिनों में दिल्ली दौरे से लेकर आमतौर पर हर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ दोनों उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा नजर आते थे। यहां तक कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री के आजू-बाजू बैठे भी।

डॉ. रमन का बढ़ा महत्व

कहते हैं साय सरकार में अब डॉ रमनसिंह का महत्व बढ़ने लगा है। कई मामलों में उनसे सलाह ली जाने लगी है। छत्तीसगढ़ के 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे डॉ रमन सिंह अब विधानसभा अध्यक्ष हैं। पिछले महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जब छत्तीसगढ़ में तीन दिन रुके थे, तब उन्होंने डॉ रमन सिंह से अकेले में करीब 35-40 मिनट बात की थी। माना जा रहा है कि अमित शाह के निर्देश पर ही सरकार महत्वपूर्ण मामलों में डॉ रमनसिंह की सलाह लेने लगी है। कहते हैं 2014 में विष्णुदेव साय को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करवाने, फिर 2020 में उन्हें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनाने में रमन सिंह की अहम भूमिका रही।

ऋचा शर्मा को फिर खाद्य की जिम्मेदारी

विष्णुदेव साय की सरकार ने अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी दे दी है। उनके पास पहले से वन विभाग है। ऋचा शर्मा छत्तीसगढ़ आने से पहले तक भारत सरकार में खाद्य विभाग की अतिरिक्त सचिव थीं। 2018 में केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले भी राज्य की खाद्य सचिव थीं। अगले महीने से धान खरीदी की तैयारी शुरू हो जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत सरकार से बेहतर समन्वय के लिए साय सरकार ने ऋचा शर्मा को फिर से फ़ूड की कमान दी है। कहा जा रहा है कि धान खरीदी के लिए मार्कफेड,राज्य भंडार गृह निगम और नागरिक आपूर्ति निगम के बीच तालमेल की जरुरत पड़ती है। खरीदी के साथ भण्डारण और मिलिंग का काम माथापच्ची का होता है, ऐसे में फ़ूड के लिए तेजतर्रार अफसर की जरुरत थी। इस कारण ऋचा शर्मा को वन के साथ फ़ूड का अतिरिक्त चार्ज दे दिया गया।

आईजी-एसपी की लिस्ट जल्द

कहा जा रहा है कि एसपी कांफ्रेंस के बाद अब आईजी-एसपी की लिस्ट जल्द निकल सकती है। राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार बनने के बाद एक ही बार पुलिस अधीक्षकों का बड़ा बदलाव हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि अगले हफ्ते बड़ा बदलाव हो सकता है। चर्चा है की कई बड़े जिले के एसपी भी इधर से उधर होंगे। वैसे एसपी कांफ्रेस के बाद मुंगेली एसपी पर गाज गिर गई। मुंगेली एसपी गिरिजाशंकर जायसवाल को हटाकर वहां भोजराज पटेल को पदस्थ किया गया है। भोजराज पटेल कांग्रेस के शासनकाल में कोरबा जैसे जिले के एसपी रह चुके हैं। कहा जा रहा है कि गिरिजाशंकर जायसवाल को कबूतर न उड़ने वाला विवाद भारी पड़ गया। माना जा रहा है जिले में बेलगाम जुआ-सट्टा भी इनके खिलाफ गया।

अंकित फिर ओपी के साथ

वित्त और आवास व पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के साथ सरकार ने फिर आईएएस अंकित आनंद को लगा दिया। 2006 के आईएएस अंकित आनंद ओपी चौधरी के साथ वित्त सचिव थे। राज्य के 2024-25 का बजट ओपी चौधरी ने अंकित आनंद के वित्त सचिव रहते ही पेश किया था। बजट पेश करने के कुछ दिन बाद अंकित आनंद की जगह 2005 बैच के आईएएस मुकेश बंसल को वित्त सचिव बना दिया गया। अंकित आनंद को उद्योग सचिव बना दिया गया। अब हाल ही के फेरबदल में अंकित आनंद को आवास व पर्यावरण विभाग का सचिव बनाया गया है। उद्योग विभाग 2005 बैच के आईएएस रजत कुमार को दिया गया है। पहले आवास व पर्यावरण विभाग 2005 बैच की आईएएस आर संगीता के पास था। संगीता के पास आबकारी विभाग भी है। ओपी चौधरी 2005 बैच के आईएएस रह चुके हैं और अब तक उनके विभाग में 2005 बैच के आईएएस सचिव होने के कारण अंकित को आवास और पर्यावरण सचिव बनाए जाने पर चर्चा का बाजार गर्म है।